■ वैशाख कृष्ण - 12 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 277 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 05-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जेहाद की बात करने वालों को शर्म आनी चाहिए : योगी आदित्यनाथ

6 मेजर विनय चौधरी: घायल होने के बावजूद कर दिया 3 खूंखार आतंकवादियों का संहार

7 अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है कांग्रेस पार्टी : कंगना

फर्स्ट टेक

आईपीएल सट्टेबाजी: पुणे से 26 सट्टेबाज गिरफ्तार

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ पुलिस ने महादेव ऐप जैसे ऑनलाइन सट्टेबाजी गेमिंग एप्लिकेशन के माध्यम से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 क्रिकेट मैचों पर सट्टेबाजी में कथित संलिप्तता के लिए महाराष्ट्र से 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रायपुर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सट्टेबाजों को पुणे के दो अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में रायपुर पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) का एक दल शामिल था। सिंह ने बताया कि इस गिरफ्तारी के साथ, आईपीएल मैचों पर सट्टेबाजी के संबंध में रायपुर पुलिस ने अब तक 34 सटोरियों को गिरफ्तार किया है।

पेटीएम के सीओओ भावेश गुप्ता ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/भाषा। पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। फिनटेक फर्म पेटीएम ने वरिष्ठ प्रबंधन में फेरबदल के तहत राकेश सिंह को पेटीएम मनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने अब तक पेटीएम मनी का नेतृत्व कर रहे वरुण श्रीधर को पेटीएम सर्विसेज का सीईओ बनाया है। पेटीएम सर्विसेज म्यूचुअल फंड और अन्य धन प्रबंधन उत्पादों के वितरण कारोबार में शामिल है। बयान में कहा गया कि भुगतान और उधार कारोबार की देखरेख करने वाले अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों से कामकाजी जीवन से अवकाश लेने का फैसला किया है। वह साल के अंत तक पेटीएम की विकास पहलों के लिए मार्गदर्शन देते हुए सलाहकार की भूमिका में आ जाएंगे।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया में दवा मूल्य नियंत्रण का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में दवा मूल्य नियंत्रण का मुद्दा उठाया। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान यह मुद्दा उठाया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच के मुद्दों का समय पर समाधान करने, लोगों के बीच संपर्क को गहरा करने और तरजीही आयात के आंकड़े साझा करने के लिए एक संस्थागत तंत्र बनाने पर मिलकर काम करने का फैसला किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 7.7 प्रतिशत घटकर 24 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया।

05-05-2024 सूर्यास्त 5:57 बजे	06-05-2024 सूर्योदय 6:35 बजे
BSE 73,878.15 (-732.96)	NSE 22,475.85 (-172.35)
सोना 7,363 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 82,429 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चोर चोर...

ये आए तो इनने उनकी,
गड़बड़ की फाइल रुकवाई।
वे ना करते कभी कहीं भी,
सरेआम उनकी रुसवाई ।
ये और वो सबको ही दिखते,
इक दूजे की ही परछाई।
इनको देख समझ गए सारे,
चोर चोर मौसेरे भाई।।

अपहरण मामले में विधायक रेवन्ना हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अपहरण के एक मामले में यहां की एक अदालत ने कर्नाटक जद (एस) के विधायक एच.डी. रेवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसके बाद शनिवार को विशेष जांच दल के अधिकारियों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूर्व मंत्री और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के बेटे रेवन्ना और उनके विश्वासपात्र सतीश बबन्ना के खिलाफ एक महिला के अपहरण के आरोप में बृहस्पतिवार रात मैसूरु में मामला दर्ज किया गया था।

मामला महिला के बेटे की शिकायत पर दर्ज किया गया था, जिसने यह भी आरोप लगाया था कि रेवन्ना के बेटे और हासन लोकसभा सीट से भाजपा-जद(एस) उम्मीदवार प्रज्ज्वल रेवन्ना ने उसकी मां का यौन शोषण किया था। मामले में बबन्ना को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। रेवन्ना को यहां देवेगौड़ा के आवास से हिरासत में लिया गया।

तमिलनाडु में कांग्रेस नेता का अधजला शव बरामद

तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में पिछले कुछ दिनों से लापता कांग्रेस के एक नेता का अधजला शव शनिवार को बरामद किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केपीके जयकुमार धनसिंह का अधजला शव उन्हीं के खेत से बरामद किया गया। हाल ही में मृतक धनसिंह ने अपनी जान को खतरा होने का दावा किया था। धनासिंह के बेटे ने पहले पुलिस को अपने पिता के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। धनसिंह कांग्रेस की पूर्व तिरुनेलवेली इकाई के प्रमुख थे। पुलिस ने बताया कि इस मामले को सुलझाने के लिए तीन विशेष टीम गठित की गई हैं। विपक्ष ने इस मामले पर सत्तारूढ़ द्रमुक और राज्य पुलिस पर जमकर निशाना साधा।

पुंछ में वायुसेना के काफिले पर आतंकवादी हमला

एक सैनिक की मौत, चार घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के एक काफिले पर घात लगाकर हमला किया जिससे एक सैनिक की मौत हो गई और चार अन्य सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अनंतनाग-राजौरी लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को होने वाले मतदान से तीन सप्ताह पहले यह घटना हुई है। अधिकारियों ने कहा कि शाम को पुंछ के सुरनकोट इलाके में सनाई टॉप की ओर जा रहे भारतीय वायुसेना के वाहनों पर चार आतंकवादियों ने गोलीबारी की जिसमें पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए जिनमें से दो की हालत गंभीर थी। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल सैनिकों में से एक ने बाद में इलाज के दौरान एक सैन्य अस्पताल में दम तोड़ दिया।

कांग्रेस के 'शहजादे' को भारत का प्रधानमंत्री बनाने की पाकिस्तान कर रहा हैं दुआ : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलामू (झारखंड)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार के 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 'एयर स्ट्राइक' ने पाकिस्तान को इतना हिला दिया है कि पड़ोसी देश के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने।

मोदी ने पलामू में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा और कहा कि पड़ोसी देश भले ही उन्हें (राहुल गांधी को) प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो, लेकिन भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। उन्होंने कहा, मां भारती का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नए भारत के 'सर्जिकल और एयर स्ट्राइक' ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था, जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था।

मोदी ने कहा, नया भारत जानता है कि दुश्मन के इलाके में कैसे घुसना है और हमला करना है 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 'एयर स्ट्राइक' से हिल चुके पाकिस्तान के नेता दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का शहजादा देश का प्रधानमंत्री बने।

मोदी ने पलामू से भाजपा उम्मीदवार वी डी राम के लिए प्रचार करते हुए कहा कि इससे पहले, कांग्रेस नीत सरकारें देश पर किसी आतंकवादी हमले से 'असहाय' हो जाया करती थीं, लेकिन अब स्थिति ऐसी है कि पाकिस्तान 'देश को बचाने के लिए दुनिया से मदद मांग रहा है'। उन्होंने मतदाताओं से वोट के महत्व को पहचानने का आग्रह किया, जिसने 500 वर्षों तक पीढ़ियों के संघर्ष के बाद राम मंदिर के निर्माण में योगदान दिया, साथ ही जम्मू और कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का मार्ग प्रशस्त किया।

भ्रष्टाचार में लिप्त सभी लोगों को अगले पांच वर्षों में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा

सिसई (झारखंड)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने भ्रष्ट ताकतों को बेनकाब कर दिया है और भ्रष्टाचार में लिप्त सभी लोगों को अगले पांच साल में कानून के तहत कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जेल में बंद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल के नेता भ्रष्टाचारियों के समर्थन में रैलियां निकालते हैं। उन्होंने लोहरदगा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार समीर उरांव के पक्ष में गुमला के सिसई में एक चुनावी रैली में कहा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामले में जेल में हैं। मोदी इस बुराई को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भ्रष्टाचार में लिप्त सभी लोगों को अगले पांच वर्षों में कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

'यूट्यूबर' एल्विश यादव और अन्य के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'यूट्यूबर' सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ पार्टियों में मादक पदार्थ के रूप में सांप के जहर का संदिग्ध रूप से इस्तेमाल के आरोप में धनशोधन का मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी ने पिछले महीने उत्तर प्रदेश में गौतम बौद्ध नगर (नोएडा) जिला पुलिस द्वारा एल्विश और उससे जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ दायर एक प्राथमिकी और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया है।

सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान यादव और मामले से जुड़े कुछ अन्य लोगों से पूछताछ की जाएगी। नोएडा पुलिस ने कथित तौर पर यादव द्वारा आयोजित पार्टियों में मादक पदार्थ के रूप में सांप के जहर के इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में 17 मार्च को यादव को गिरफ्तार किया था। नोएडा पुलिस ने 'रियलिटी शो' - 'बिग बॉस ओटीटी-2' के विजेता यादव (26) के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

रूसी हमले में यूक्रेन का गांव बुरी तरह क्षतिग्रस्त

कीव/एपी। यूक्रेन के दोनेत्स्क प्रांत का ओचेरेटीन गांव रूसी बलों के हमले में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और निवासियों को भागने को मजबूर होना पड़ा। ड्रोन से ली गई फुटेज में यह जानकारी सामने आई है। रूसी सैनिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं और गोला-बारूद की कमी का सामना कर रही कीव की सेना पर लगातार हमले कर रहे हैं। यूक्रेन की सेना ने इस बात को स्वीकार किया कि रूसी सेना ओचेरेटीन गांव घुस चुकी है, जहां युद्ध से पहले तक करीब 3,000 लोग रह रहे थे। यूक्रेन की सेना ने कहा कि अभी क्षेत्र में लड़ाई जारी है। ड्रोन की फुटेज में कोई एक भी व्यक्ति नजर नहीं आता लेकिन गांव की ऐसी कोई इमारत नहीं है, जो रूसी हमले का शिकार नहीं बनी हो। कई घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए देखे जा सकते हैं।

किशोर न्याय विभिन्न विधायी कानूनों की जटिल परस्पर क्रिया से आकार लेता है : न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

काठमांडू/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि किशोर न्याय केवल इससे संबंधित जेजे अधिनियम के निर्देशों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न विधायी कानूनों की जटिल पारस्परिक क्रिया से आकार लेता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ अपनी बात के समर्थन में उस 14-वर्षीया बलात्कार पीड़िता का जिक्र किया जिसके 30 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने का उच्चतम न्यायालय ने मंजूरी दी थी।

शीर्ष अदालत ने 22 अप्रैल को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करके नाबालिग लड़की को 30 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति प्रदान की। यह अनुच्छेद शीर्ष अदालत को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय के लिए आवश्यक आदेश पारित करने का अधिकार प्रदान करता है।

गर्भावस्था का चिकित्सकीय समापन (एमटीपी) अधिनियम के तहत भ्रूण के गर्भपात की अधिकतम सीमा विवाहित महिलाओं के साथ-साथ विशेष श्रेणियों की महिलाओं के लिए 24 सप्ताह है। इनमें बलात्कार पीड़िताएं और अन्य कमजोर महिलाएं, यथा-विकलांग और नाबालिग शामिल हैं।

नेपाल के प्रधान न्यायाधीश विश्वंभर प्रसाद श्रेष्ठ के निमंत्रण पर तीन-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नेपाल आए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने शनिवार को यहां किशोर न्याय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नाबालिग लड़की से संबंधित मामले का जिक्र किया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि

चीन के साथ सीमा पर समझौता करने की कोशिश कर रहा है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमारी कोशिश है कि हम चीन के साथ सीमा पर समझौता करें। इसलिए कांग्रेस वाले जानबूझ कर झूठ बोलते हैं। ये दिखाना चाहते हैं कि जो कुछ भी हो रहा है, अब हो रहा है। सच यह है कि ये अब नहीं हो रहा, बल्कि पहले हो चुका है।

नई दिल्ली/एजेन्सी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि चीन ने भारतीय सीमा का अतिक्रमण किया है लेकिन यह सारा अतिक्रमण 1958-59 के दौरान हुआ था और अब भारत चीन के साथ सीमा को लेकर समझौता करने की कोशिश कर रहा है।

विदेश मंत्री ने एक टेलीविजन नेटवर्क के साथ एक साक्षात्कार में ये बात कही। उन्होंने साफ किया कि भारत सरकार चीन के मामले में चुप नहीं बैठी है। लेकिन कांग्रेस लोगों को गुमराह करने में लगी है और उसके शासन के दौरान कब्ज़ाई गयी हमारी ज़मीन को अब का अतिक्रमण बताने की कोशिश कर रही है।

यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का आरोप है कि चीन भारतीय सीमा में आ गया है और हमारी जमीन पर कब्जा करके बैठा है। विपक्ष यह भी कहता है कि पाकिस्तान पर तो सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक हो गई पर चीन पर खामोशी रहती है, डॉ. जयशंकर ने कहा, चीन पर खामोशी नहीं है। चीन के बारे में लोगों को गुमराह किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी कहते हैं कि चीन ने हमारी धरती पर लद्दाख में एक पुल बना लिया है। अगर आप बारीकी में जाएंगे तो देखेंगे कि ये पुल जरूर बनाया है। वहां एक झील है पैंगोंग। पैंगोंग पर चीन ने 1958 में कब्जा किया था।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में बाढ़ और भूस्खलन

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 14 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय बचाव एजेंसी के प्रमुख मेक्सियनस बेकाबेल ने बताया कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के लुवु जिले में बृहस्पतिवार से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ।। बाढ़ से 13 उप-जिले प्रभावित हुए हैं। क्षेत्र में अधिकतर जगह पानी और कीचड़ नजर आ रहा है।बारिश के कारण 1,000 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 42 तहस-नहस हो गए हैं। एक खोज और बचाव दल ने रबड़ की नौकाओं और अन्य वाहनों का उपयोग करके निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

'कनाडा की घटनाएं उनकी आंतरिक राजनीति है'

भुवनेश्वर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर कनाडा में जो कुछ भी हो रहा है वह ज्यादातर उनकी आंतरिक राजनीति के कारण है और इसका भारत से कोई लेना-देना नहीं है। जयशंकर ने यह बात इस प्रश्न के उत्तर में कही कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत की आलोचना क्यों कर रहे हैं।

विदेश मंत्री ने यहां वरिष्ठ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ''विकसित भारत'' बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के वास्ते देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह मजबूत और सक्रिय नेता की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक स्तर पर भारत की छवि अब पहले की तुलना में बहुत बेहतर हैकनाडा एक अपवाद है। आपने देखा है कि विभिन्न देशों के नेतृत्व भारत और उसके प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हैं।'' उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का इस्तेमाल कर रहा है, लॉबी बना रहा है और एक वोट बैंक बन गया है।

कनाडा में अधिकारियों ने निज्जर की हत्या के संबंध में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया

ओटावा/न्यूयॉर्क/भाषा। कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के संबंध में तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार करने वाले कनाडाई प्राधिकारियों ने कहा कि उनकी जांच अभी समाप्त नहीं हुई है और इस हत्याकांड में ''अन्य लोगों'' ने भी अहम भूमिका निभाई है, जिन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

एडमॉन्टन में रहने वाले 22 वर्षीय करण बराड़, 22 वर्षीय कमलप्रीत सिंह और 28 वर्षीय करणप्रीत सिंह पर हत्या व हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने शुक्रवार को कहा कि वह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता की जांच कर रही है। निज्जर एक कनाडाई नागरिक था। मामले की जांच कर रहे अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार किए गए लोग उस कथित समूह के सदस्य हैं जिन्हें पिछले साल भारत सरकार ने निज्जर की हत्या करने का काम सौंपा था।

निज्जर (45) की 18 जून, 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हत्या कर दी गई थी।

जांच टीम के प्रभारी अधीक्षक मनदीप मूकर ने कहा, ''जांच यहीं समाप्त नहीं होती। हम जानते हैं कि इस हत्याकांड में कुछ और लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई है और हम एक-एक की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करेंगे।''

सहज स्मृति योग

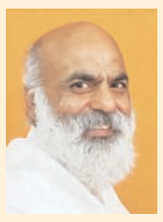

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, आप कहते हैं कि उदाहरण देना आपको सदैव एक बड़ी चुनौती लगती है। एक से बढ़कर एक चरित्रों और घटनाओं के उदाहरण भारतीय साहित्य या विश्व साहित्य में जब भरे पड़े हैं तब भी ऐसा क्यों कहते हैं आप?

उत्तर: प्रांगण चाहे सत्संग का हो या इतिहास का हो या दैनन्दिन जीवन का या न्यायालय आदि का, उदाहरण या प्रिसीडेंस किसी द्वंद्वात्मक स्थिति विशेष में वर्तमान में कैसे ऐसा उचित निर्णय लें जो सबको सहर्ष स्वीकार हो, इसी स्पष्टता के दर्शन हेतु उद्धृत किए जाते हैं, प्रभावित करने या मनोरंजन के लिए नहीं। यदि आध्यात्मिक व्यक्ति भी प्राथमिक रूप से अपने वाक् के रोचक और मनोरंजक बने रहने के लिए उदाहरण देने लगें तो वे आध्यात्मिक कहाँ बचते/रहते हैं! पर, बोलने के इस सत्य की मर्यादा पर विरले ही चिंतन कर पाते हैं क्योंकि चिंतन करने पर जो सत्य उद्घाटित होगा वह उन्हें सनातन मौन रहने की ओर प्रेरित करता आया है और अभी भी या कभी भी जब तक सभी पूर्ण चैतन्य न हो जाएँ तब तक करेगा ही करेगा। इसलिए उदाहरण देना चुनौतीपूर्ण लगता है क्योंकि उदाहरण देने के लिए बोलना आवश्यक है।

शाह ने आम आदमी पार्टी को 'शहरी नक्सली पार्टी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वंसदा (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) को ''शहरी नक्सली पार्टी'' बताया और कहा कि अगर वलसाड लोकसभा सीट से विपक्षी उम्मीदवार जीतता है तो क्षेत्र में माओवादी खतरा बढ़ जायेगा। 'आप' कांग्रेस के साथ गठबंधन में गुजरात में चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने वलसाड से अनंत पटेल को मैदान में उतारा है।

वंसदा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार धवल पटेल के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ''कांग्रेस और शहरी नक्सली पार्टी 'आप' इस आदिवासी क्षेत्र की शांति को भंग करने के लिए एक साथ आए हैं। क्या आप चाहते हैं कि वलसाड में जबरन वसूली शुरू हो? क्या आप हमारे वन क्षेत्रों में नक्सलवाद को सिर उठाने देंगे? यदि उनका उम्मीदवार जीतता है तो यहां नक्सलवाद और शहरी नक्सलवाद शुरू हो जायेगा।'' शाह ने दावा किया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान टीकाकरण अभियान के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ''दुष्प्रचार'' के कारण कई आदिवासियों की मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी ने आदिवासियों से टीका नहीं लगवाने को कहा और इसे मोदी वैक्सीन करार दिया। हालांकि, दोनों भाई-बहन (प्रियंका गांधी वाद्रा) ने रात में गुपचुप तरीके से टीका लगवाया था। उन्हें कोविड-19 के समय में भी राजनीति करने में कोई शर्म नहीं आई।'' शाह ने दावा किया, ''राहुल द्वारा फैलाई गई गलत सूचना पर विश्वास करने वाले कई आदिवासी युवाओं की जान चली गई (क्योंकि उन्होंने टीका नहीं लगवाया था)।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला 'इंडी' गठबंधन अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहता है, जैसा कि उसने तेलंगाना और कर्नाटक में किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुस्लिम कोटा को खत्म कर देगी और इसका लाभ दलितों, एसटी और ओबीसी को वापस देगी।

लवली, राजकुमार चौहान समेत दिल्ली कांग्रेस के कई नेता भाजपा में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उनके साथ दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, पूर्व विधायक नीरज बसोया तथा नसीब सिंह सहित कुछ अन्य नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में कांग्रेस के सभी पूर्व नेताओं ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ विपक्षी पार्टी के गठबंधन की आलोचना की। लवली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत भाजपा नेतृत्व की सराहना की और कहा कि उन्होंने उन्हें और उनके सहयोगियों को ऐसे समय पार्टी में शामिल होने का अवसर दिया जब वे खोया हुआ महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी मौजूदा लोकसभा चुनाव में बड़े बहुमत के साथ सत्ता बरकरार रखेंगे। लवली ने हाल ही में आम आदमी पार्टी के साथ पार्टी के गठबंधन का विरोध करते हुए दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसा माना जाता है कि वह और कुछ अन्य नेता इस बात से नाराज थे कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में कन्हैया कुमार और उदित राज को उम्मीदवार बनाया।

लवली की भाजपा में यह दूसरी पारी होगी क्योंकि वह 2018 में पार्टी (भाजपा) में कुछ समय रहने के बाद इसे छोड़कर फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

गुजरात पुलिस ने मौलवी को गिरफ्तार किया, हिंदू नेता की हत्या की साजिश का पर्दाफाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात के सूरत में एक हिंदू संगठन के नेता की हत्या समेत सुदर्शन टेलीविजन चैनल के मुख्य संपादक, तेलंगाना के भाजपा विधायक राजा सिंह और इसी पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को धमकी देने की कथित तौर पर साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी और कहा कि आरोपी पाकिस्तान और नेपाल में स्थित अपने आकाओं के साथ मिलकर यह साजिश रच रहा था।

सूरत के पुलिस आयुक्त अनुपम सिंह गहलोत ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान मौलवी सोहेल अबुबक्र तिमोल (27) के रूप में की, जो एक धागा फैक्टरी में प्रबंधक के रूप में काम करता था और मुस्लिम बच्चों को इस्लाम पर निजी ट्यूशन देता था। गहलोत ने कहा कि उसे हिंदू सनातन संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपदेश राणा की हत्या के लिए पाकिस्तान और नेपाल के लोगों के साथ मिलकर एक करोड़ रुपये की सुपारी देने और पाकिस्तान से हथियार खरीदने की साजिश रचते पाया गया। गहलोत ने बताया, उसे हिरासत में लेने के बाद, हमें उसके फोन में कई आपत्तिजनक सामग्री मिली, जिसमें उपदेश राणा की हत्या के लिए एक करोड़ रुपये की पेशकश भी शामिल थी। इसके लिए वह पाकिस्तान और नेपाल के व्यक्तियों/नंबरों से लगातार संपर्क में था।

राहुल का रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला रणनीतिक, इसलिए भाजपा परेशान : श्रीनेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने शनिवार को कहा कि राहुल गांधी का उत्तर प्रदेश के रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला ''रणनीतिक'' है। कांग्रेस प्रवक्ता ने 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा कि भाजपा परेशान है क्योंकि उसे पता है कि यह फैसला कितना महत्वपूर्ण और रणनीतिक है।

राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। सोनिया गांधी ने वर्ष 2004 से 2024 तक रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। हालांकि वह अब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो गई हैं। राहुल केरल के वायनाड से सांसद हैं और उस सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। श्रीनेत ने कहा, ''राहुल गांधी उप्र से तीन बार और केरल से एक बार निर्वाचित होने की क्षमता रखते हैं। वह विंध्य पर्वत के उत्तर और दक्षिण से चुनाव लड़ सकते हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ओडिशा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक से चुनाव लड़ सकते हैं? क्या ये राज्य भारत का हिस्सा नहीं हैं। '' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस द्वारा राहुल गांधी को राजनीतिक पर्यटक कहे जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्रीनेता ने कहा कि यह बयान 'मूर्खतापूर्ण' है। फडणवीस उस सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं, जो चोरी-छिपे बनाई गई थी। वह, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजीत पवार मुंबई और महाराष्ट्र के अधिकारों और व्यवसायों की रक्षा करने में सक्षम नहीं हैं, जो गुजरात जा रहे हैं।

बीआरएस, भाजपा रच रहे हैं कांग्रेस को हराने की साजिश : तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के बीच ''आंतरिक समझौता'' है और दोनों दल लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को हराने की साजिश रच रहे हैं। रेड्डी खम्मम लोकसभा क्षेत्र के कोठागुडम में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

रेवंत रेड्डी ने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की टिप्पणियों का जिक्र किया जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र में गठबंधन सरकार बनेगी और खम्मम से बीआरएस के उम्मीदवार एन नागेश्वर राव केंद्रीय मंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा,'' आप (चंद्रशेखर राव) भाजपा से हाथ मिलाने जा रहे हैं। हम यह कहते आ रहे हैं और आप यही कर रहे हैं। रेड्डी ने दावा किया कि बीआरएस ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार का नोटबंदी, जीएसटी, तीन तलाक, संशोधित नागरिकता अधिनियम, समान नागरिक संहिता और अन्य मुद्दों पर समर्थन किया था। उन्होंने कहा,'' आज भी तेलंगाना में एक साजिश जारी है। आंतरिक समझौता है और बीआरएस तथा भाजपा कांग्रेस को हराने की साजिश रच रही हैं।'' रेड्डी ने कहा कि दिसंबर में हुए विधानसभा चुनाव ''सेमीफाइनल'' थे और ये लोकसभा चुनाव ''फाइनल'' हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में तेलंगाना को दिए गए आश्वासनों मसलन इस्पात संयंत्र, रेल कोच फैक्टरी और आदिवासी विश्वविद्यालय स्थापित करने आदि पर काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत सरकार ने तेलंगाना को कुछ नहीं दिया।

लोकसभा चुनावों पर करीब से नजर रखेंगे 23 देशों के निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में हो रहे लोकसभा चुनावों पर करीब से नजर रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया, रूस, श्रीलंका और बांग्लादेश सहित 23 देशों के निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि यहां पहुंचे हैं। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव और उससे संबंधित तैयारियों को देखने के लिए 75 प्रतिनिधि छोटे-छोटे समूहों में छह राज्यों का दौरा करेंगे। निर्वाचन आयोग ने शनिवार को भागीदारी के पैमाने के मामले में विदेशी प्रतिनिधियों की इस यात्रा को 'पहली यात्रा' करार दिया।

शनिवार से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी प्रतिनिधियों को भारत की चुनावी प्रणाली की बारीकियों के साथ-साथ चुनाव के दौरान प्रयोग में लाये जाने वाले तौर-तरीकों से परिचित कराना है। भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, फिजी, मेडागास्कर, किर्गिज गणराज्य, रूस, मोल्दोवा, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपीन, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, कजाकिस्तान, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया के निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। 'इंटरनेशनल फाउंडेशन फॉर इलेक्टोरल सिस्टम्स' के सदस्य और भूटान व इजराइल की मीडिया टीमें भी इस कार्यक्रम में शामिल हो रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू रविवार को इन विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे।

रोहित वेमुला की मां ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर न्याय की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रोहित वेमुला की मां राधिका वेमुला ने शनिवार को यहां तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर परिवार को न्याय दिलाने का अनुरोध किया। इस संबंध में एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि रेड्डी ने उन्हें आश्वासन दिया कि 2016 में हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र वेमुला की आत्महत्या से जुड़े मामले की दोबारा जांच की जाएगी और न्याय दिलाया जाएगा।

रोहित वेमुला के भाई राजा वेमुला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्तमान कांग्रेस सरकार में उनके साथ न्याय होगा। राजा वेमुला ने कहा, हमने पुलिस द्वारा सौंपी गई क्लोजर रिपोर्ट का विरोध किया है। हमने उन मुद्दों पर भी चिंता जताई है जिनका उन्होंने रिपोर्ट में उल्लेख किया है। जाति की स्थिति पर स्पष्टीकरण देने के लिए पड़ोसी आंध्र प्रदेश में गुंटूर के जिलाधिकारी सक्षम प्राधिकारी हैं, न कि पुलिस। राजा वेमुला ने उन्होंने कुछ अन्य छात्रों के खिलाफ दर्ज मामले रद्द करने की भी मांग की। पुलिस ने वेमुला की मौत के मामले में अदालत के समक्ष एक 'क्लोजर रिपोर्ट' दायर की है, जिसमें दावा किया है कि वह दलित नहीं था और 2016 में उसने इस डर की वजह से आत्महत्या कर ली कि कहीं उसकी वास्तविक जाति के बारे में सबको पता न चल जाए। 'क्लोजर रिपोर्ट' पर रोहित वेमुला की मां और अन्य लोगों द्वारा व्यक्त संदेह को देखते हुए तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक विस्तृत जांच की घोषणा कर चुके हैं।

सोने की तस्करी की खबरों के बीच भारत में अफगान राजनयिक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली/भाषा। भारत में अफगानिस्तान की वरिष्ठ राजनयिक जकिया वारदाक ने पिछले महीने मुंबई हवाई अड्डे पर 18.6 करोड़ रुपये मूल्य के 25 किलोग्राम सोने की तस्करी की कोशिश करते पकड़े जाने की खबरों के बीच अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वारदाक ने दो साल से अधिक समय तक मुंबई में अफगान महावाणिज्य दूत के पद पर काम करने के बाद पिछले वर्ष के अंत में नई दिल्ली में अफगानिस्तान की कार्यवाहक राजनयिक के रूप में कार्यभार संभाला था। वारदाक ने 'एक्स' पर कहा कि उन पर हुए अनेक व्यक्तिगत हमलों के कारण उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय किया है। उन्होंने 25 अप्रैल को मुंबई हवाई अड्डे पर राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा उनसे 25 किलोग्राम सोना जब्त करने संबंधी खबरों का उल्लेख नहीं किया। डीआरआई ने संभवतया वारदाक को इस लिए गिरफ्तार नहीं किया क्योंकि उन्हें राजनयिक छूट प्राप्त है। उन्होंने कहा, बड़े अफसोस के साथ मैं भारत में अफगानिस्तान के वाणिज्य दूतावास और उच्चायोग में अपनी भूमिका से हटने के अपने फैसले की घोषणा करती हूं।

भूमि स्वामित्व अधिनियम पर गंदी राजनीति कर रहे हैं तेदेपा प्रमुख नायडू : जगन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती (आंध्र प्रदेश)/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सुप्रीमो और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को राज्य में मुख्य विपक्षी दल तेलूगू देशम पार्टी (तेदेपा) नेता एन. चंद्रबाबू नायडू पर भूमि स्वामित्व अधिनियम के मुद्दे को लेकर 'गंदी राजनीति' करने का आरोप लगाया।

रेड्डी, श्री सत्यसाई जिले के हिंदूपुर इलाके में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''वे (नायडू) चुनाव प्रचार में झूठ फैला रहे हैं और लोगों से कह रहे हैं कि 'जगन आपकी सारी जमीन हड़प लेगा।' हम गरीबों को जमीन देते हैं, उनसे छीनते नहीं।'' रेड्डी ने कहा कि तेदेपा नेता को उस अधिनियम के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है, जो किसानों को जमीन पर पूर्ण अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने इस कानून को लोगों को अपनी संपत्ति का विवरण प्राप्त करने के लिए दर-दर भटकने से बचाने के लिए एक बड़ा सुधार करार दिया। रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक में आखिरी भूमि सर्वेक्षण एक सदी पहले हुआ था। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी सरकार उचित सीमा तय करने और उन्हें उचित उपमंडल के साथ जोड़कर रिकॉर्ड अद्यतन करने के लिए एक और सर्वेक्षण कर रही है। रेड्डी ने नए सर्वेक्षण का समर्थन करते हुए कहा सरकार 'गारंटी' देगी कि सर्वेक्षण की गई भूमि पर कोई विवाद नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 17 हजार में से छह हजार राजस्व गांवों का अब तक सर्वेक्षण किया जा चुका है और शेष को भी पूरा करने का वादा किया।

आरबीआई की कार्रवाई से वित्तीय प्रभाव सीमित, प्रतिष्ठा क्षति को लेकर चिंता ज्यादा : कोटक महिंद्रा बैंक

मुंबई/भाषा। कोटक महिंद्रा बैंक को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लगाए गए व्यावसायिक प्रतिबंधों का वित्तीय प्रभाव अपेक्षाकृत कम होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि हालांकि बैंक प्रतिष्ठा को होने वाले नुकसान के बारे में अधिक चिंतित है। बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक वासवानी ने संवाददाताओं से कहा कि इसका देनदारी वृद्धि पर सीमित प्रभाव पड़ेगा। बैंक ने संकेत दिए हैं कि प्रतिबंध कुछ महीनों तक जारी रह सकता है। पिछले महीने के अंत में आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग माध्यमों के जरिए नए ग्राहकों को शामिल करने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया था क्योंकि बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन में कमी पाई गई थी। वासवानी ने इसी साल जनवरी में कार्यभार संभाला है।

'कल्लाक्कडल' को लेकर जारी रेड अलर्ट संशोधित कर 'ऑरेंज अलर्ट' किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने शनिवार को केरल के तटीय इलाकों और दक्षिण तमिलनाडु तट में 'कल्लाक्कडल' के लिए जारी 'रेड अलर्ट' वापस ले लिया और इसे संशोधित कर 'ऑरेंज अलर्ट' कर दिया। 'कल्लाक्कडल' समुद्र में अचानक उफान आने की घटना है जिसके कारण तटीय क्षेत्रों में तेज लहरें उठती हैं।

आईएनसीओआईएस ने कहा कि इस घटना के हिस्से के रूप में, केरल तट के निचले इलाकों में रविवार को रात साढ़े ग्यारह बजे तक आधा मीटर से डेढ़ मीटर की बेहद मजबूत लहरों के कारण समुद्र के उग्र रहने की आशंका है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि दक्षिण तमिलनाडु के निचले तटीय इलाकों में भी ऐसी ही स्थिति होने की आशंका है और कल रात तक वहां आधा मीटर से 1.8 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

'राजनीति पांच मिनट का नूडल्स नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आंध्र प्रदेश चुनाव:

विशाखापत्तनम/भाषा। जनसेना के संस्थापक एवं अभिनेता पवन कल्याण ने कहा कि राजनीति ''पांच मिनट का नूडल्स'' नहीं है और इसमें कोई भी त्वरित परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकता क्योंकि नेताओं को बाधाओं तथा असफलताओं को झेलकर लोगों का विश्वास अर्जित करना होता है।

आंध्र प्रदेश में तेरह मई को होने वाले चुनाव के लिए जनसेना, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सहयोगी हैं। पवन कल्याण ने लोगों से राजग के लिए वोट करने की अपील करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य को अस्त-व्यस्त कर दिया है। उन्होंने कहा, आपको समझना होगा। हम सभी सोचते हैं कि राजनीति एक 'फास्ट फूड' है और हम इससे 'फास्ट फूड' जैसे परिणाम की ही उम्मीद करते हैं। आप इसके तुरंत परिणाम चाहते हैं। यह पांच मिनट का 'मैगी नूडल्स' नहीं है। जब मैं लोकनायक जयप्रकाश को देखता हूं, जब राम मनोहर लोहिया, सभी वरिष्ठों, यहां तक कि श्री कांशीराम को देखता हूं, तो वे हारे लेकिन उन्होंने हासिल किया। इसलिए यह एक यात्रा की तरह है जो चलती रहती है। कल्याण ने कहा कि लोगों को इस बात पर भरोसा करना होगा कि उनका नेता राजनीतिक विघ्न-बाधाओं का सामना कर सकता है। जनसेना नेता ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने अब वह भूमिका हासिल कर ली है। इसका परिणाम चुनाव में स्पष्ट रूप से देखा जाएगा। दक्षिणी राज्य के विभाजन के दौरान आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा दिए जाने के कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वादे से संबंधित मुद्दे पर कल्याण ने कहा कि यह ''छलका हुआ दूध'' है और इसने एक अलग रूप ले लिया है। कांग्रेस के संबंध में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की पदयात्रा के लिए राहुल गांधी की प्रशंसा करते हैं लेकिन कभी आंध्र प्रदेश में मजबूत रही सबसे पुरानी पार्टी ने राज्य के लिए बड़ी गलती की है।

राजनीतिक दलों को मुस्लिम वोट तो चाहिए पर उनका नेतृत्व नहीं : एआईएमआईएम सांसद जलील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद इम्तियाज जलील का कहना है कि सभी राजनीतिक दलों को मुस्लिम समुदाय से वोट तो चाहिए लेकिन उनका नेतृत्व नहीं चाहिए। छत्रपति संभाजीनगर के साजापुर में एक रैली को संबोधित करते हुए जलील ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में देश के 11 राज्यों में मुस्लिम समुदाय से किसी एक को भी मैदान में नहीं उतारा गया।

जलील, छत्रपति संभाजीनगर (पहले औरंगाबाद) लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं और यहां से मौजूदा सांसद भी हैं। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के अंतर्गत छत्रपति संभाजीनगर निर्वाचन क्षेत्र में 13 मई को मतदान होना है।

एआईएमआईएम नेता ने कहा, ''देश के सभी राजनीतिक दलों को आपके (मुस्लिम समुदाय) वोटों की जरूरत है लेकिन वे मुस्लिम नेतृत्व नहीं चाहते। महाराष्ट्र में प्रमुख राजनीतिक दलों ने मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारा और 11 राज्य ऐसे हैं जहां मुसलमानों को टिकट तक नहीं दिया गया।'' जलील ने कहा कि गुजरात, राजस्थान, गोवा और दिल्ली से कोई मुस्लिम सांसद नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''अगर हम चुनाव लड़ेंगे नहीं तो जीतेंगे कैसे? जब मैंने 2019 में लोकसभा चुनाव लड़ा तो नेताओं ने कहा था कि मैं नहीं जीत सकता। लेकिन लोग हमारे साथ खड़े रहे।'' जलील ने 2019 लोकसभा चुनाव में शिवसेना (अविभाजित) के उम्मीदवार चंद्रकांत खैरे को 4,492 वोटों के अंतर से हराया था। निर्दलीय उम्मीदवार हर्षवर्द्धन जाधव ने 2.83 लाख वोट प्राप्त किए थे।

प्रज्ज्वल रेवन्ना पर लगे आरोपों के संबंध में कोई पत्र नहीं मिला था : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शनिवार को उन दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें हासन से जद (एस) सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना पर लगाये गये यौन शोषण के आरोपों की जानकारी थी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे का मौजूदा लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

विजयेंद्र ने कहा कि उन्हें अब तक आरोपों के संबंध में कोई पत्र नहीं मिला है और ऐसे दावों में कोई सच्चाई नहीं है। विजयेंद्र की यह टिप्पणी भाजपा नेता जी. देवराज गौड़ा के बयान के बाद आई है। गौड़ा मई, 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रज्ज्वल के पिता एच डी रेवन्ना के खिलाफ होलेनरासीपुर विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार थे।

देवराज गौड़ा ने दावा किया था कि उन्होंने दिसंबर, 2023 में विजयेंद्र को एक पत्र लिखा था। उन्होंने दावा किया था कि पत्र में उन्हें सांसद से संबंधित कथित आपत्तिजनक वीडियो क्लिप के बारे में बताया गया था और उन्हें हासन से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतारे जाने पर पार्टी के लिए असहज स्थिति उत्पन्न होने के बारे में चेतावनी दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली जद (एस) पिछले साल सितंबर में भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गई थी।

देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल (33) लोकसभा चुनाव में हासन से भाजपा-जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार थे, जहां 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। कथित तौर पर प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो क्लिप हाल के दिनों में वायरल हुए थे, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था।

विजयेंद्र ने यहां पत्रकारों से कहा, ''यह दावा कि विजयेंद्र को घटना की जानकारी थी और इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मुझे पत्र लिखा गया था, सच नहीं है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे अब तक कोई पत्र नहीं मिला है। मैं इसे पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं... प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मैं कह रहा हूं कि यह दावा कि किसी ने मुझे पत्र लिखकर इस बारे में जानकारी साझा की थी, सच्चाई से परे है।''

उन्होंने कहा, ''अब तक मुझे पार्टी अध्यक्ष के रूप में ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है, यह मुझ तक नहीं पहुंचा है।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि इस मामले का लोकसभा चुनाव परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि मतदाता चाहते हैं कि नरेन्द्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री बनें। उन्होंने कहा, ''हमारी पार्टी का रुख बिल्कुल स्पष्ट है, ऐसी घटनाओं और इसमें शामिल लोगों का भाजपा द्वारा किसी भी तरह से समर्थन करने का सवाल ही नहीं उठता। जिन लोगों ने गलत किया है उन्हें सजा मिलनी चाहिए।''

सेक्स वीडियो मामला

एसआईटी ने एचडी रेवन्ना को किया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जनता दल सेक्युलर (जद एस) विधायक एच.डी. रेवन्ना को यौन शोषण के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। रेवन्ना को कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु स्थित उनके पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा के आवास से गिरफ्तार किया।

इससे पहले अदालत ने अपहरण मामले में कर्नाटक के विधायक एच.डी. रेवन्ना की अग्रिम जमानत याचिका खारिज की थी। गौरतलब है कि एसआईटी ने शनिवार को एक अपहृत महिला का पता लगाया था, जो कथित तौर पर देवगौड़ा के पोते एवं मौजूदा जदएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े सेक्स वीडियो स्कैंडल की पीड़ितों में से एक है। सूत्रों ने बताया कि महिला को मैसूरु जिले के कालेनहल्ली गांव स्थित रेवन्ना के निजी सहायक (पीए) राजशेखर के फार्महाउस से छुड़ाया गया। महिला 29 अप्रैल को लापता हो गयी थी। सूत्रों के अनुसार खुफिया सूचना के बाद एसआईटी अधिकारी फॉर्महाउस पर पहुंचे,तो महिला वहां बंद थी। सूत्रों ने बताया कि राजशेखर मौजूदा समय में फरार है। महिला को बेंगलूरु लाया जायेगा और इस मामले में उसका बयान दर्ज किया जायेगा। इससे पहले कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को रेवन्ना के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की। यह प्राथमिकी उस महिला के अपहरण के संबंध में दर्ज की गयी थी, जिसके बारे में माना जाता है कि वह प्रज्वल से जुड़े सेक्स वीडियो मामले की पीड़िताओं में से एक है।

अपहृत महिला के पुत्र ने रेवन्ना को नामित करते हुए अपनी मां की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। रेवन्ना इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। वहीं, उनके रिश्तेदार सतीश बाबू को एफआईआर में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया था, जिन्हें पुलिस ने शुक्रवार को मैसूरु जिले से गिरफ्तार किया था।

पेन ड्राइव मामले पर कुमारस्वामी बार-बार अपना रुख क्यों बदल रहे हैं? : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को पेन ड्राइव मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी के बदलते रुख पर सवाल उठाया। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'पेन ड्राइव मुद्दा उनके परिवार से जुड़ा मामला है। लेकिन कुमारस्वामी इस मुद्दे पर अपना रुख इतनी बार क्यों बदल रहे हैं। दरअसल, विधानसभा चुनाव के बाद से कुमारस्वामी अपने पारिवारिक मामलों पर अलग-अलग बयान दे रहे हैं।'

कुमारस्वामी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि हर कोई जानता है कि 7 मई के बाद पेन ड्राइव मामले का क्या होगा। शिवकुमार ने कहा, 7 मई तक इंतजार क्यों करें। क्या हमें पेन ड्राइव की उत्पत्ति का खुलासा करने की आवश्यकता है। यह उनका पारिवारिक मामला है लेकिन मीडिया ने इसका विश्लेषण किया है। कुमारस्वामी ने खुद कहा था कि उनका परिवार रेवन्ना के परिवार से अलग है और उन्होंने कहा कि जो लोग गलत करेंगे उन्हें परिणाम भुगतना होगा।

ये वही कुमारस्वामी थे जिन्होंने कहा था कि उनके परिवार के सदस्यों को टिकट नहीं दिया जाएगा और ये वही कुमारस्वामी हैं जिन्होंने प्रज्ज्वल के लिए माफ़ी मांगी थी. वह इतनी बार अपना रुख क्यों बदल रहा है?

प्रज्ज्वल रेवन्ना यौन शोषण मामले के मद्देनजर जेडीएस के 12 विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने की अफवाहों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह सही नहीं है। जेडीएस का कोई भी विधायक मेरे संपर्क में नहीं है। स्वाभाविक है कि विधायक निराश होंगे, लेकिन मैं किसी से चर्चा नहीं कर रहा हूं।' चुनाव प्रचार पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'प्रियंका गांधी आज दावणगेरे और गदग में प्रचार कर रही हैं। हमें सभी निर्वाचन क्षेत्रों से अनुकूल प्रतिक्रिया मिल रही है। कांग्रेस को दक्षिण कर्नाटक की तुलना में उत्तरी कर्नाटक में अधिक सीटें मिलने की संभावना है।

बेंगलूरु में बारिश पर सवालों के जवाब में उन्होंने कहा, 'मैं भगवान से और अधिक बारिश के लिए प्रार्थना करता हूं। मुझे उम्मीद है कि अच्छी बारिश होगी। लोग बोरवेल खोदने में काफी पैसे खर्च कर रहे हैं, बारिश से पैसे बचेंगे।' यह पूछे जाने पर कि राज्य में दूसरे चरण के चुनाव में कांग्रेस को कितनी सीटें मिलेंगी, उन्होंने कहा, 'हम दूसरे चरण से 12 सीटों की उम्मीद कर रहे हैं। चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद मैं इस बारे में बात करूंगा।'

सीबीआई प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी कर सकती है : एसआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े 'सेक्स स्कैंडल' की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया को सूचित किया कि सीबीआई द्वारा हासन के सांसद (प्रज्ज्वल) के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी करने की संभावना है।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सिद्दरामैया ने एसआईटी अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसके दौरान उन्होंने निर्देश दिया कि प्रज्ज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। विज्ञप्ति के मुताबिक, अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया, हम उचित उपायों के साथ गिरफ्तारी के प्रयास करेंगे। सीबीआई द्वारा 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी करने की संभावना है, जिससे जांच में तेजी आएगी। विज्ञप्ति में कहा गया, ''उन्होंने (एसआईटी अधिकारियों ने) आश्वासन दिया है कि हवाई अड्डों से सूचना मिलते ही वे आरोपी को गिरफ्तार कर वापस ले आएंगे।''

किसी अपराध के संबंध में किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान या गतिविधियों के बारे में अपने सदस्य देशों से अतिरिक्त जानकारी एकत्र करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग निकाय द्वारा ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने भारत में इंटरपोल मामलों की नोडल संस्था सीबीआई को एक अनुरोध भेजा है, जिसमें प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' जारी करने की मांग की गई है।

सूत्रों ने कहा, सीबीआई द्वारा यह नोटिस जारी करने पर एसआईटी को प्रज्ज्वल रेवन्ना के ठिकाने के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल (33) लोकसभा चुनाव में हासन से भाजपा-जद(एस) गठबंधन के उम्मीदवार थे, जहां 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। कथित तौर पर प्रज्ज्वल रेवन्ना से जुड़े अश्लील वीडियो क्लिप हाल के दिनों में वायरल हुए थे, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। माना जाता है कि प्रज्ज्वल ने 27 अप्रैल को देश छोड़ दिया था।

मगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर सुरक्षा की गयी कड़ी

मगलूरु। मगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवसथा कड़ी कर दी गई है। हवाई अड्डा प्रशासन को ईमेल के माध्यम से धमकी दी गई थी। शनिवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा (सीआईएसएफ) और पुलिस ने पूरे हवाई अड्डे पर कई स्तर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। बाजपे पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी में ईमेल भेजने वाले समूह की पहचान 'टेरेराइजर्स 111' के रूप में की गई है। प्राथमिकी में ईमेल का हवाला देकर लिखा गया है कि 'हवाई अड्डे पर कुल तीन जगहों पर बम रखे गये है और हमें आशा है कि बड़े स्तर पर रक्तपात होगा। इस चेतावनी और धमकी को हल्के में लेने की गलती न करें। '

मगलूरु के पुलिस आयुकत अनुपम अग्रवाल ने इस बात की पुष्टि की कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। सूत्रों के मुताबिक, 'मगलूरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एमआईए) समेत भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के 30 हवाई अड्डों और निजी हवाई अड्डों को ईमेल के माध्यम से 29 अप्रैल को धमकी दी गई थी। यह ईमेल हवाई अड्डे और सुरक्षा एजेन्सियों को 90 से ज्यादा ईमेल आईडी पर भेजे गये। प्रोटोकॉल के अनुसार, एमआईए ने बाजपे पुलिस थाने में शिकायत की, जहां प्राथमिकी दर्ज की गई है।

उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस को जिताने के मिशन पर स्त्री रोग विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की उत्तर कन्नड़ लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार और स्त्री रोग विशेषज्ञ अंजलि निंबालकर इस सीट पर अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए जी-जान लगाए हुए हैं। भाजपा के नेता अनंतकुमार हेगड़े छह बार इस सीट से सांसद रह चुके हैं। भाजपा के इस गढ़ में डॉ. निंबालकर का मुकाबला कर्नाटक विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी से है, जिन्हें हेगड़े की जगह उम्मीदवार बनाया गया है।

कांग्रेस की पूर्व विधायक निंबालकर पिछले साल विधानसभा चुनाव में बेलागावी जिले की खानापुर सीट से हार गई थीं। छह बार के विधायक और पूर्व मंत्री कागेरी (62) को भी विधानसभा चुनाव में सिरसी सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। निंबालकर ने हेगड़े पर निशाना साधते हुए कहा, पिछले 30 वर्ष में उत्तर कन्नड़ की बात नहीं की गई और संसद में एक भी सवाल नहीं पूछा गया।

उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद उनका ध्यान वनवासियों से संबंधित स्थानीय मुद्दों को संबोधित करना है, उन्हें उनकी भूमि के लिए पत्र दिलाना है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी लड़ाई है, जो वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। इसके अलावा उनकी प्राथमिकता सूची में लोगों की मांग के अनुसार कुमटा में एक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल बनवाना, रोजगार सृजित करना और उत्तर कन्नड़ के समग्र विकास के लिए पर्यटन पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''वनवासी अपनी जमीन के लिए 'पत्र' चाहते हैं। हम कोशिश करेंगे और इन मुद्दों को पहले सत्र में ही रखेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि केंद्र सरकार के पास लंबित अधिकतम आवेदनों को पहले सत्र के दौरान ही मंजूरी दे दी जाए।

उत्तर कन्नड़ कर्नाटक के उन 14 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है, सात मई को मतदान होगा। कर्नाटक में 28 लोकसभा सीटें हैं। राज्य में पहले चरण का मतदान 26 अप्रैल को हुआ था।

कांग्रेस के शासन में महिलाएं सुरक्षित नहीं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर सिद्दरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की शनिवार को आलोचना की और आरोप लगाया कि राज्य में लड़कियां और महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। हुब्बल्ली में एक युवक द्वारा नाबालिग दलित लड़की को कथित तौर पर गर्भवती करने की घटना की निंदा करने के लिए भाजपा ने सोशल मीडिया मंच का सहारा लिया।

भाजपा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि नाबालिग लड़की के साथ एक कट्टरपंथी व्यक्ति ने बलात्कार किया और हुब्बल्ली में हिंदू महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं।'' पार्टी ने आरोप लगाया, 'हिंदू युवतियां आज केरल फाइल्स' की तरह कर्नाटक में भाई' कहे जाने वाले आतंकवादियों, बलात्कारियों, कट्टरपंथी जिहादियों को सत्ता देने की गलती की शिकार हैं।' इस बीच, पुलिस ने बताया कि हुबली में नाबालिग लड़की को कथित तौर पर गर्भवती करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

हाल में कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की 23 वर्षीय बेटी नेहा की हत्या के मामले का हवाला देते हुए भाजपा ने मामले की जांच को लेकर राज्य सरकार पर हमला किया। नेहा की हुबली में उसके कॉलेज परिसर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। भाजपा ने दावा किया, हुब्बल्ली में नेहा की हत्या का मामला अभी भी लंबित है, एक और अमानवीय घटना ने कन्नड़ लोगों का सिर झुका दिया है। अगर सिद्दरामैया और परमेश्वर (गृह मंत्री) कट्टरपंथियों को तुरंत नहीं कुचलते हैं, तो हिंदू समुदाय सरकार गिरा देगा।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में लायंस क्लब द्वारा आयोजित महिला संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने देश की विकास यात्रा में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया। राज्यपाल गहलोत ने टिप्पणी की कि जैसे-जैसे राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ता है, आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महिलाओं की भूमिका तेजी से महत्वपूर्ण होती जाती है। उन्होंने महिला आरक्षण सहित विभिन्न सशक्तिकरण उपायों के कार्यान्वयन पर ध्यान देते हुए संतुलित और व्यापक विकास प्राप्त करने के लिए सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरणा लेते हुए, राज्यपाल गहलोत ने शक्ति और शक्ति के अवतार के रूप में महिलाओं की पूजनीय स्थिति का जश्न मनाया। उन्होंने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी अपरिहार्य भूमिका पर जोर देते हुए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और सामाजिक कल्याण प्रयासों में महिलाओं द्वारा प्रदर्शित ऐतिहासिक बहादुरी और साहस की सराहना की।

इसके अलावा, राज्यपाल गहलोत ने डॉ. जैसे संवैधानिक दिग्गजों की भावनाओं को दोहराते हुए मानवीय मूल्यों को अपनाने और महिलाओं के हितों की रक्षा के महत्व पर जोर दिया।

बीआर अंबेडकर, जिन्होंने महिलाओं की स्थिति और सामाजिक प्रगति के बीच संबंध पर जोर दिया। राज्यपाल गहलोत ने विज्ञान, उद्यमिता और शासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालते हुए भविष्य के बारे में आशावाद व्यक्त किया। उन्होंने सक्रिय महिला भागीदारी के साथ भारत के वैश्विक नेतृत्व के पुनरुत्थान, एक बेहतर, आत्मनिर्भर राष्ट्र को बढ़ावा देने की कल्पना की।

युवाओं में कानूनी जागरूकता जरूरी : बी दयानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु सिटी पुलिस कमिश्नर बी. दयानंद ने कहा कि युवाओं को हमारे देश के कानूनों के बारे में जानने और समाज में सभी के बीच जागरूकता पैदा करने की जरूरत है। पुलिस आयुक्त शहर के निट्टे मीनाक्षी तकनीकी विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक महोत्व 'अनाध्यंता-2024 का उद्घाटन के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कानून के प्रति जागरूकता बहुत जरूरी है। कानूनों की जानकारी के अभाव में हमारे अधिकांश युवा कानून की जानकारी के बिना ही आपराधिक कृत्यों में शामिल हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी होने से हम गैर कानूनी व गैर कानूनी कार्यों का शिकार होने से भी बच जाते हैं। इसमें देश के विभिन्न तकनीकी कॉलेजों का प्रतिनिधित्व करने वाले हजारों छात्रों ने भाग लिया।

'हमारे शहरों को सभी के लिए 'एक सपने को साकार करना' के नारे के साथ, 'एना-2024', प्रौद्योगिकी के उपयोग और शहरों के व्यवस्थित विकास पर कई अन्वेषण-आधारित संवादों का एक मंच था। कन्नड़ सिनेमा की अभिनेत्री सम्मी गौड़ा ने कहा, ''चूंकि मैंने इंजीनियरिंग की प्रैक्टिस की है, इसलिए इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक उत्सव में भाग लेकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।'' उन्होंने कहा कि हमारे छात्र कितने भी उदासीन क्यों न हों, जो शिक्षक उन्हें कक्षाओं में बैठाते हैं , उन्हें पढ़ाएं और उन्हें ज्ञान से अवगत कराएं वास्तव में भगवान के बराबर हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए। महोत्सव में 'आइडियाथॉन 5.0', 'कोड स्प्रिंट 2.0', 'सिम रेसिंग', 'बग बैश बोनान्ज़ा', 'क्विज़', 'ट्रेजर हंट', 'बाइट बैटल', 'कोड वॉर्स', नृत्य, वाद-विवाद प्रतियोगिता, खेल फैशन शो जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

निट्टे मीनाक्षी टेक्निकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एचसी नागराज ने स्वागत किया। अध्यक्षता निट्टे शिक्षा संस्थान के शैक्षिक निदेशक प्रो.संदीप शास्त्री ने की। निट्टे एजुकेशन इंस्टीट्यूट के प्रशासक रोहित पूंजा, शैक्षिक प्रमुख डॉ. वी. श्रीधर, शिक्षक समन्वयक डॉ. एन. नलिनी और डॉ. सुधीर रेड्डी आदि इस मौके पर उपस्थित थे।

स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देकर कैंसर से बचाव के लिए जागरूक किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केनरा बैंक ने बेंगलूरु के महाप्रबंधक महेश एम पई के मार्गदर्शन में शनिवार को कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 'आज की जागरूकता, कल का उपचार' टैग लाइन के तहत बेन्सन टाउन स्थित बेंगलूरु मल्टीपर्पज सोशल सर्विस सोसाइटी के पलाना भवन में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाना था, जो बड़े पैमाने पर महिलाओं को प्रभावित कर रहे हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. पल्लवी वीआर थीं। उन्होंने विभिन्न प्रकार के कैंसर, जैसे स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और अंडाशय कैंसर के बारे में विस्तार से बताया और उनके कारणों, लक्षणों और इलाज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कैंसर से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली और आहार अपनाने पर जोर दिया।

सेमिनार में विभिन्न क्षेत्रों से 350 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया और कैंसर पर जागरूकता से लाभान्वित हुईं। इस अवसर पर केनरा बैंक प्रधान कार्यालय के मुख्य महाप्रबंधक उदय शंकर मजूमदार भी मौजूद थे। उन्होंने केनरा एंजेल के बारे में बताया, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए बचत खाता है, जिसे केनरा बैंक ने हाल ही में लॉन्च किया है। यह कई लाभों के अलावा कैंसर देखभाल सुरक्षा, व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और स्वास्थ्य जांच के लिए 10 लाख रुपए तक के मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर का अनूठा लाभ देता है। आरओ बेंगलूरु सेंट्रल क्षेत्रीय प्रमुख अनंत जलोन्हा ने भी केनरा बैंक के विभिन्न उत्पादों पर कार्यक्रम को संबोधित किया।

शिरकत

दावणगेरे में कांग्रेस की राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, वरिष्ठ नेता शमनूर शिवशंकरप्पा और अन्य नेताओं ने भाग लिया।

लोकसभा चुनाव : विकलांगों, वरिष्ठ नागरिकों के लिए 7 मई को मतदान की सुविधा

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य में लोकसभा चुनाव का दूसरा चरण 7 मई को होगा। भारत निर्वाचन आयोग, राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कार्यालय और विकलांग व्यक्तियों और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण विभाग विभिन्न सेवाओं का संचालन करेगा, सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मतदान केंद्रों पर मतदान की सुविधा के लिए रैम्प रेलिंग, व्हीलचेयर, नेत्रहीन मतदाताओं के लिए आवश्यकतानुसार वोटिंग मशीन में पित्त लिपि नंबर, पित्त लिपि डमी मतपत्र, आवर्धक कांच, सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ सहायता, साइन बोर्ड, शौचालय की व्यवस्था, अलग कतार, पीने के बूथ विकलांग और वरिष्ठ नागरिकों को जल व्यवस्था, प्राथमिक चिकित्सा किट और स्वास्थ्य सहायकों की सहायता, मुफ्त परिवहन प्रणाली और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का राष्ट्र के उत्थान में करें उपयोग : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए करे। मिश्र ने शनिवार को जोधपुर में फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फुटवियर डिजायन के क्षेत्र में नवाचार अपनाते हुए इस क्षेत्र के उत्पादों के निर्यात से अर्थव्यवस्था के सुदृढीकरण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उद्यमिता विकास जरूरी है। नई पीढ़ी नौकरी करने की सोच की बजाय रोजागर प्रदाता बने। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रम अपडेट किए जाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि एफ.डी.डी.आई जोधपुर फैशन एवं फुटवियर तकनीक से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संस्थान है। संस्थान का मुख्य ध्येय शिक्षा के साथ हस्तशिल्प कौशल को बढ़ावा देना है। विश्वभर में आज फुटवियर एवं फैशन उद्योग जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसे दृष्टिगत रखते हुए यह संस्थान भविष्य की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में फुटवियर एवं फैशन उद्योग से जुड़े विश्व के उत्कृष्ट एवं निपुण डिजाइनर तैयार हों। तथा प्रयास करे कि डिजाइनिंग के क्षेत्र में यह संस्थान उत्कृष्ट संस्थान बने।

मिश्र ने कहा कि वैश्विक बाजार मांग के अनुरूप भारत इस क्षेत्र में अग्रणी बने यह हम सबका प्रयास हो। उन्होंने कहा कि संस्थान एथलेटिक और गैर एथलेटिक फुटवियर की श्रेणीवार बाजार मांग का अध्ययन कर फुटवियर उत्पादों के विकास के लिए नवाचार और नवीन तकनीकी शिक्षा का प्रबंधन करे, जिससे विद्यार्थी वैश्विक बाजार मांग के दृष्टिगत अपने आपको तैयार कर सकें।

इससे पहले राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन कराया। समारोह के दौरान मिश्र ने वर्ष 2022 एवं 2023 बैचलर इन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन और फैशन डिजाइन में ओवरऑल टॉपर को तीन स्वर्ण पदक एवं कोर्स टॉपर को पांच रजत पदक प्रदान किए गए। समारोह में 153 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित गई। इनमें बैच 2022 बैचलर इन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के 16 विद्यार्थी एफडीडीआई गुना कैंपस के भी शामिल हैं।

समारोह में फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के मैनेजिंग डायरेक्टर कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार, इंस्टीट्यूट का स्टाफ , विद्यार्थी, अभिभावक सहित आमजन मौजूद थे।

48 घंटे न्यायिक हिरासत में रहने पर आरएएस सुरेश कुमार निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए आरएएस अधिकारी सुरेश कुमार को निलंबित कर दिया है। सुरेश कुमार को रिश्वत के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया था, उसके बाद 48 घंटे से न्यायिक हिरासत में है। डीओपी के संयुक्त सचिव डॉ. एस.पी. सिंह के अनुसार आरएएस सुरेश कुमार जिला आबकारी अधिकारी, अलवर को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने प्रथम दृष्टया लिप्त पाए जाने पर दो मई 2024 को गिरफ्तार किया जाकर 48 घण्टे से अधिक पुलिस / न्यायिक अभिरक्षा में रखा है। राज्य सरकार ने राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 13(2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सुरेश कुमार, आर.ए.एस. को उनकी गिरफ्तारी से निलम्बित माने जाने के आदेश जारी किए है। सुरेश कुमार का निलम्बन के दौरान मुख्यालय प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के कार्यालय में रहेगा।

करौली में मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान कूनो से एक चीता के भटक कर कर आने से ग्रामीणों में दहशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से एक चीता भटक कर करीब 50 किलोमीटर दूर राजस्थान के करौली जिले में पहुंच गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। करौली के सिमारा गांव के खेतों में शनिवार को ग्रामीणों ने चीते को देखा और वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना पर चीते को बचाने और मानव-पशु संघर्ष को रोकने के लिए राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के वन विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंच कर उसे पकडने की कार्रवाई शुरू की।

करौली के वन्यजीव उप वन संरक्षक पीयूष शर्मा ने बताया सिमारा गांव में एक जंगली जानवर के बारे में जानकारी मिली थी। जानवर की पहचान नर चीता के रूप में की गयी है। उन्होंने बताया कि चीता मध्यप्रदेश के श्योपुर और सबलगढ़ से होते हुए गांव तक पहुंचा है। मध्यप्रदेश के ये दोनों शहर चंबल नदी से सटे हुए हैं और करौली का सिमारा गांव भी चंबल के किनारे स्थित है। यह पहला मौका नहीं है जब कूनो राष्ट्रीय उद्यान से चीता भटककर राजस्थान में आ गया है। चार महीने पहले भी मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से से लापता चीता प्रदेश के बारां जिले के जंगल में मिला था। इस पर कूनो की टीम बारां पहुंची और उसे बेहोश कर उसे पकड़ा गया था।

गोगामेड़ी मर्डर केस के आरोपियों ने जेल से व्यापारियों से मांगी फिरौती, 11 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सुखदेव सिंह गोगामेड़ी मर्डर केस में जेल में बंद आरोपी बार-बार व्यापारियों को धमकी दे रहे थे। चित्रकूट थाना पुलिस ने इस मामले में दो जेलकर्मियों समेत 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जेल में मोबाइल फोन पहुंचाने के चक्र को तोड़ दिया गया है. जेल कर्मियों की संलिप्तता पाए जाने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस ने हरियाणा निवासी सुमित यादव, कोटपूतली बहरोड निवासी विक्रम सिंह उर्फ कालू, जयपुर निवासी जीतराम चौधरी, हरियाणा निवासी साहिल शर्मा, टोंक निवासी राकेश जांगिड़, अजमेर निवासी गंगाराम गुर्जर, मनोज सिंह, रामस्वरूप, बाड़मेर निवासी नरेश कुमार, नागौर निवासी विक्रम सिंह और अजमेर निवासी पवन जांगिड़ को गिरफ्तार किया है।

डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि चित्रकूट थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल के अंदर बंद शातिर बदमाशों तक मोबाइल फोन पहुंचने का काम करते थे। पुलिस ने प्रकरण में कार्रवाई करते हुए दो जेलकर्मियों और गोगामेड़ी हत्याकांड में जेल में बंद सुमित यादव सहित कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पिछले कई महीनों से अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद विभिन्न गैंग के सदस्यों की ओर से जयपुर शहर में अवैध वसूली और एक्सटॉर्शन के लिए बार-बार लोगों को धमकी दी जा रही थी।

इसी प्रकार के एक मामले में पूर्व में हरमाड़ा थाना इलाके में धन राशि नहीं देने की वजह से एक शख्स की हत्या की साजिश भी बदमाशों ने रच ली थी। हालांकि, पुलिस नसमय रहते कार्रवाई करते हुए हथियारों के साथ बदमाशों को वारदात से पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

पुलिस ने उस प्रकरण में कुल 16 बदमाशों को गिरफ्तार किया था। उसके बाद भी लगातार वैशाली नगर तो कभी श्याम नगर में विभिन्न व्यापारियों को शातिर बदमाशों की ओर से धमकी देकर अवैध राशि की मांग की जा रही थी।

कोचिंग छात्रों को सकारात्मक माहौल में लाने के प्रयासों की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को तनाव से बाहर निकालकर उन्हें सकारात्मक माहौल में लाने में कोचिंग फैकल्टी, मेंटोर्स, हॉस्टल संचालकों, वार्डन एवं पुलिस कर्मियों की भूमिका की जिला कलक्टर डा. रविन्द्र गोस्वामी ने सराहना की है। देश में कोचिंग सिटी के नाम से जाने वाले कोटा शहर में आकर कोचिंग करने वाले छात्रों के कुछ अंतराल के बाद आत्महत्या करने जैसे कदम उठाने से बचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा कोचिंग स्टूडेंट्स को सकारात्मक एवं सहयोगात्मक माहौल देने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार शाम को कोचिंग फैकल्टी, मेंटोर, हॉस्टल संचालकों, वार्डन, काउंसलिंग से जुड़े लोगों से जिला कलक्टर ने संवाद के माध्यम से जाना कि कैसे बच्चे के तनाव में होने के बारे में जानकारी मिलने पर समय रहते काउंसलिंग की गई और उसे तनाव से बाहर निकाला गया।

जिला कलक्टर से संवाद के दौरान फैकल्टी, मेंटर्स एवं हॉस्टल संचालकों ने अपने अनुभव बताए कि कैसे उन्होंने बच्चे के मन में चल रहे भावों को पहचाना और उन्हें सही गाईडेंस देकर तनाव से बाहर निकालने में मदद की। डा. गोस्वामी ने उन सभी लोगों की सराहना की जिन्होंने अपने विशेष प्रयासों से उन बच्चों की जान बचाने में मदद की। कोचिंग संस्थानों में पढ़ रहे बच्चों को लेकर कोटा जिला प्रशासन की सजगता का एक उदाहरण दो मई को नजर आया जब एक बच्ची के पिता ने रात नौ बजे जिला कलक्टर को ई-मेल के माध्यम से बच्ची के अवसाद में रहने के बारे में जानकारी दी। जिला प्रशासन ने तुरंत बच्ची से बात की और बच्ची के हॉस्टल जाकर उसकी काउंसलिंग करवाई गई और उसके माता-पिता को कोटा बुलाया गया है।

इसी तरह के घटना दो मई को सुबह हुई थी जब जिला कलक्टर के ई-मेल पर एक बच्चे ने अपने डिप्रेशन में होने की जानकारी दी। ई-मेल मिलते ही बच्चे के बारे में पता किया गया तो उसके सीकर में होने की जानकारी मिली। कोटा कलक्टर ने सीकर कलक्टर से बात कर वहां उस बच्चे की काउंसलिंग करवाई और उसके माता-पिता को सूचना दी।

राजस्थान में लू की संभावना, दो से तीन डिग्री तक बढ़ सकता है तापमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में अधिकतम तापमान में दो-तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की प्रबल संभावना है। अधिकारी ने बताया कि सात मई को पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। वहीं जोधपुर व बीकानेर संभाग में कुछ स्थानों पर लू का अनुमान जताया गया है।

उन्होंने बताया कि जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है। अधिकारी ने बताया कि आठ मई को जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, नागौर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनू, कोटा, बारां जिलों में अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की संभावना है।

मंत्री बाबूलाल खराड़ी को जान से मारने की धमकी, लिखा- सुधर जा नहीं तो मौत के घाट उतार देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। राजस्थान सरकार के जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी को जान से मारने की धमकी दी गई है। यह धमकी इंस्टाग्राम पर अज्ञात बदमाश ने शुक्रवार दिन में दी। कैबिनेट मंत्री खराड़ी को दी धमकी में कहा गया है कि राजनीति तो होती रहेगी, जान से मारा जाएगा। धमकी देने वाले ने लिखा, लोकसभा चुनाव के परिणाम से पहले तुम्हारा परिणाम आ जाएगा। आरोप लगाया गया कि तुमने आदिवासियों को जबरन हिंदू बनाने का प्रयास किया। खराड़ी के करीबी सूत्रों ने बताया कि तीन दिन पहले भी इस प्रकार की धमकी खराड़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से दी गई थी। इंस्टाग्राम पर धमकी देने वाले ने अपना चेहरा नकाब से ढक रखा है। कैबिनेट मंत्री खराड़ी ने आज जान से मारने की धमकी मिलने पर कलेक्टर

अरविंद पोसवाल और एसपी योगेश गोयल को सारी बात विस्तार से बताई। झाड़ोल पुलिस जांच में जुट गई है।

राजस्थान के मंत्री बाबूलाल खराड़ी को दी गई धमकी में लिखा है, राजनीति एक तरफ होती रहेगी, लेकिन तू बाबूलाल खराड़ी समय रहते सुधर जा और समय रहते नहीं सुधरा तो तू थोड़े ही दिन का मेहमान है। बिना फितरत किए मौत के घाट उतार दिया जाएगा। इस धमकी भरे पोस्ट में आगे लिखा है, जो तूने (मंत्री) आदिवासियों के खिलाफ जहर बोया है, उसका नतीजा तेरे सामने होगा। आदिवासियों को जबरदस्ती हिंदू धर्म में घुसाने का काम कर रहा है, जितना जल्दी हो सके उतना जल्दी उस मुद्दे से हट जा, नहीं तो भगवान राम के प्यारा हो जाएगा। मंत्री से मिली शिकायत के बाद पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। मालूम हो कि राजस्थान के मंत्री बाबूलाल खराड़ी अपनी सादगी के लिए मशहूर हैं। वो चौथी बार विधायक बने हैं। लेकिन आज भी अपने केलूपोश (झोपड़ी) मकान में रहते हैं। यह सादगी और सरलता ही उनकी पहचान है।

प्रदेश में बनेंगे चार और डेल्फिक क्लब, कला एवं संस्कृति के लिए युवाओं को मिलेगा जीवंत मंच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में कला और संस्कृति को बढावा देने के लिए डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान एवं चार विद्यालयों के मध्य शुक्रवार को एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रीमती श्रेया गुहा ने बताया कि डेल्फिक आन्दोलन से छः डेल्फिक कलाओं (शास्त्रीय संगीत, भारतीय फ़िल्म संगीत, लोकप्रिय संगीत, शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, समकालीन नृत्य, फोटोग्राफी) के प्रति युवाओं की भागीदारी को बढाने के उद्देश्य से एमओयू पर हस्ताक्षर किए गये है। इससे प्रदेश में डेल्फिक आन्दोलन को गति मिलेगी। और छात्रों को कला व संस्कृति के प्रदर्शन के लिए एक मंच मिल सकेगा।

श्रीमती गुहा ने बताया कि डेल्फ़िक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान भारतीय डेल्फ़िक काउंसिल और इंटरनेशनल डेल्फ़िक काउंसिल का एक हिस्सा है, जो युवाओं को अतंर्राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करने कि दिशा में कार्य कर रही है, काउंसिल द्वारा इन विद्यालयों के साथ वार्षिक कैलेंडर तैयार कर डेल्फिक गेम्स का आयोजन किया जावेगा। उन्होने इसके लिए विद्यालयों स्तर पर नोडल अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में डेल्फिक काउन्सिल ऑफ राजस्थान की तरफ से काउन्सिल के महासचिव जितेन्द्र कुमार सोनी (आई.ए.एस.) ने एवं द पैलेस स्कूल जयपुर, गवर्नमेन्ट सीनियर सैकेण्डरी स्कूल किशनगढ, दिल्ली पब्लिक स्कूल और विद्याश्रम स्कूल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस की टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर में भुसावर थाना क्षेत्र के पथैना गांव में शनिवार सुबह आरोपी को पकड़ने गयी पुलिस की अपराध शाखा (सीआईडी) टीम को बंधक बनाकर मारपीट करने तथा उनकी गाड़ी में आग लगाने के प्रयास का मामला सामने आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हमले में सीआईडी टीम के दो सदस्य के घायल हो जाने की जानकारी भी मिली है।

घायलों में से एक सीआईडी कर्मी के सिर में गम्भीर चोट बतायी गयी है। घटना की जानकारी मिलने पर भुसावर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच सीआईडी की टीम को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़वा कर फरार आरोपी के परिजनों को हिरासत में लिया है। संदिग्ध अपराधी टीम के साथ हुई मारपीट के बाद से फरार हैं।

बताया गया कि निरीक्षक रूप नारायण मीणा के नेतृत्व में सीआईडी एसबी जोन भरतपुर की टीम सादा वस्त्रों में एक उपनिरीक्षक, दो कॉन्स्टेबल और ड्राइवर के साथ एक संदिग्ध अपराधी की तलाश में पथैना गांव पहुंची थी जहां उसे पकड़ भी लिया गया लेकिन तभी आरोपी के परिजन और ग्रामीणों ने टीम की गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और लाठी-सरियों से टीम पर हमला कर दिया।

टीम ने जब मौके से गाड़ी को भगाने का प्रयास किया तो लोग सामने खड़े हो गये और आरोपी को टीम से छुड़ा फरार करा दिया। टीम की काफी मिन्नतें करने के बाद ग्रामीणों ने सीआईडी कर्मियों के साथ मारपीट को रोका।

गुजराती गैंग की जेबकतरी महिलाओं से 7 लाख के रत्न बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर कोतवाली थाना पुलिस ने जेबकतरने वाली दो महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 7 लाख के रत्न व चोरी किया और भी सामान बरामद किया है। इन महिलाओं ने ई-रिक्शा में बैठकर लोगों के पर्स और जेबों को साफ किया है। पुलिस को इन तक पहुंचने के लिए 500 सीसीटीवी फुटेज चैक करने पड़े।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशि डोगरा ने बताया कि क्षेत्र में चोरी, जेबतरासी की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए उपायुक्त-उत्तर वन बजरंग सिंह शेखावत के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त अनूप सिंह के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम का गठन किया

गया। गठित टीम द्वारा कोतवाली थाना के अभियोग संख्या 138/2024 धारा 379 भा.दं.सं. में तकनीकी सहायत, सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से दो जेबकतरी महिलाओं को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सात लाख रुपए के नगीने रत्न बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

मुल्जिमाओं से जयपुर शहर की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

गोधरा और आरक्षण को लेकर मोदी ने लालू और विपक्ष पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2002 में गोधरा में ट्रेन आगजनी की घटना का जिक्र करते हुए शनिवार को पूर्व रेल मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद पर ''सोनिया मैडम के शासन के दौरान'' 60 से अधिक कारसेवकों को जिंदा जलाने के दोषियों को ''बचाने'' का प्रयास करने का आरोप लगाया।

बिहार के दरभंगा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुये मोदी ने गोधरा की घटना को याद करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी दल हमेशा ''तुष्टिकरण'' की राजनीति करते हैं। गोधरा में हुई घटना के समय मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। संप्रग सरकार में रेल मंत्री रह चुके राजद सुप्रीमो का नाम लिये बगैर उनकी तरफ इशारा करते हुए मोदी ने कहा कि इसी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण बिहार के ''शहजादे'' (तेजस्वी यादव) के पिता ने उन लोगों को बचाने की कोशिश की थी, जो गोधरा ट्रेन अग्निकांड के लिए जिम्मेदार थे। मोदी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि देश में ''उस समय सोनिया मैडम का राज था।'' उन्होंने कहा, ''वह (लालू प्रसाद) जिन्हें (चारा घोटाला मामलों में) दोषी ठहराया गया है, तब रेल मंत्री थे। मोदी ने याद दिलाया कि उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक कमेटी बनायी गयी थी जिसे अक्सर ''बेन राजी (बहन तैयार है) कहा जाता था और प्रसाद के दबाव में इस कमेटी ने एक ''फर्जी'' रिपोर्ट प्रस्तुत की थी जिसमें उन लोगों को दोषमुक्त कर दिया गया था जो दोषी थे और कारसेवकों पर दोष मढ़ दिया गया पर अदालत ने रिपोर्ट को कचरे में फेंक दिया । उन्होंने कहा कि जो लोग दोषी थे उन सबको फांसी तक की सजा हुई । मोदी ने विपक्षी दलों पर अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और आदिवासियों के आरक्षण पर ''डाका'' डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन वंचित वर्गों का विपक्षी गठबंधन ''इंडि'' के प्रति ''मोहभंग'' हो गया है। प्रधानमंत्री ने दावा किया, ''बाबा साहेब के नेतृत्व में संविधान सभा ने 75 साल पहले तय किया था कि हमारे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकते हैं। पंडित नेहरू ने भी धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया, लेकिन अब कांग्रेस पंडित नेहरू जी की भावना के विरुद्ध जा रही है, बाबा साहेब की पीठ में छूरा घोंप रही है, संविधान को तोड़ने में लगी है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस लगी हुई है कि ओबीसी कोटे को कम करके, धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण दे दिया जाए और कांग्रेस की इस साजिश में राजद भी कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2007 में, जब प्रसाद रेल मंत्री थे, ''उन्होंने मुसलमानों के लिए आरक्षण की वकालत की थी''।

चुनाव के बाद भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी एकजुटता बहुत जरूरी: रिपुन बोरा

कोकराझार (असम)/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने कहा है कि चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को रोकने के लिए विपक्षी एकजुटता बेहद जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में संयुक्त रूप से विपक्षी उम्मीदवार नहीं उतारने से न तो लोकसभा चुनाव के नतीजे पर कोई प्रभाव पड़ेगा और न ही सत्तारूढ़ दल को किसी तरह का फायदा होगा। उन्होंने दावा किया कि भले ही विपक्षी दल असम में कुछ लोकसभा सीट पर एक-दूसरे के आमने-सामने हों, लेकिन भाजपा को इसका फायदा नहीं मिलेगा।

बोरा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने उन निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों को उतारने से परहेज किया है, जहां सत्तारूढ़ दल के खिलाफ चुनाव लड़ रही पार्टी के पास मजबूत जनाधार है। बोरा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''राज्य में विपक्ष द्वारा संयुक्त उम्मीदवार नहीं उतारे जाने से भाजपा को फायदा नहीं होने वाला क्योंकि हमने बेहद चतुराई से उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। जोरहाट, नगांव, धुबरी और करीमगंज जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में हमने विपक्ष को विभाजित नहीं होने दिया और उम्मीद कर रहे हैं कि हमारे खेमे के वोट कांग्रेस को मिलेंगे।''

रायबरेली में बड़े अंतर से चुनाव हारेंगे राहुल गांधी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोडेली (गुजरात)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के वायनाड और रायबरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को लेकर शनिवार को उनपर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि कांग्रेस नेता रायबरेली में बड़े अंतर से चुनाव हारेंगे। आदिवासी बहुल छोटा उदयपुर जिले के बोडेली शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने विपक्षी 'इंडि' गठबंधन पर कुछ राज्यों में दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के लिए निर्धारित आरक्षण छीनने का भी आरोप लगाया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ''कांग्रेस अपने नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है। जब वह अमेठी से चुनाव हार गए, तो वायनाड चले गए। चूंकि, उन्हें एहसास हो गया है कि वह इस बार वायनाड से हार जाएंगे, इसलिए वह अब अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं।'' राहुल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी और वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। उन्होंने वायनाड से जीत हासिल की थी, जबकि अमेठी सीट पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से हार गए थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने छोटा उदयपुर (आरक्षित) लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार जशुभाई राठवा के लिए चुनाव प्रचार करने के दौरान कहा, ''राहुल बाबा, मेरी सलाह मानो। दिक्कत आपमें है, सीटों में नहीं। आप रायबरेली से भी बड़े अंतर से चुनाव हारेंगे। अगर आप भाग भी जाओ, तो भी लोग आपको ढूंढ लेंगे।'' उन्होंने कहा कि ''राहुल बाबा एंड कंपनी'' यह झूठ फैला रहे हैं कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक और कार्यकाल हासिल करेंगे, तो आरक्षण खत्म कर देंगे।

झूठ फैला रहे हैं विपक्षी दल, मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं: पटनायक

कोरापुट/ नबरंगपुर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री एवं बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि विपक्षी दल झूठ फैला रहे हैं और मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं। पटनायक ने आदिवासी बहुल कोरापुट और नबरंगपुर लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित किया तथा लोगों से पूछा कि क्या वे उनकी सरकार से खुश हैं। बीजद प्रमुख ने लोगों से यह भी पूछा कि क्या नवीन पटनायक अच्छे व्यक्ति हैं और क्षेत्र के गरीब तथा आदिवासियों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाएं उन तक पहुंच रही हैं या नहीं। पटनायक के प्रश्न पर भीड़ ने तेज आवाज में 'हां' कहा और नवीन पटनायक जिंदाबाद के नारे लगाए। पटनायक ने इस पर कहा, ''अगर नवीन पटनायक अच्छे हैं तो उन्हें आशीर्वाद दें और शंख पर वोट दें।'' पटनायक ने कहा, ''विपक्षी दल झूठ फैला रहे हैं और लोगों के लिए मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं।'' इन रैलियों में पटनायक के करीबी वी के पांडियन, बीजद के नबरंगपुर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार प्रदीप माझी, कोरापुट लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार कौशल्या हिकाका और विभिन्न विधानसभा सीट के उम्मीदवार मौजूद थे।

जेहाद की बात करने वालों को शर्म आनी चाहिए : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फर्रुखाबाद (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि जेहाद की बात करने वालों को शर्म आनी चाहिए, इनके आकाओं ने पहले देश का बंटवारा किया था और आज यह लोग जेहाद की बात करके लोकतंत्र को कलंकित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने फर्रुखाबाद से सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी मुकेश राजपूत के समर्थन में शनिवार को यहां आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए इशारों में विपक्षी दलों खासतौर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद पर जमकर निशाना साधा।

पिछले दिनों सलमान खुर्शीद की मौजूदगी में उनकी भतीजी और सपा नेता मारिया आलम ने यहां कायमगंज में सपा उम्मीदवार नवल किशोर शाक्य के समर्थन में आयोजित जनसभा में भाजपा को हराने के लिए ''वोट जेहाद'' का नारा दिया था। भाजपा ने इस मामले को लेकर खुर्शीद और मारिया आलम की कड़ी आलोचना की है।

भाजपा मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने चेताया, ''जेहाद से प्यार है तो भूखे मरने वाले भिखमंगे पाकिस्तान के पास जाइए, जो दो जून रोटी के लिए तरस रहा है।'' सपा, कांग्रेस व बसपा पर हमलावर मुख्यमंत्री ने कहा कि ''जिन लोगों ने गरीबों के हकों पर डकैती डाली और दिव्यांगों को भी नहीं छेड़ा, ऐसे लोगों को जेहाद की बात याद आने लगी है। वे जान लें कि भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जेहाद की नहीं।'' योगी ने कहा, ''आपने 2014 के पहले और बाद का भारत देखा है। 2014 के पहले का भारत दुनिया में विश्वास खो चुका था। आतंकवाद व नक्सलवाद से त्रस्त था। गरीबों को शासन की योजनाएं नहीं मिल पाती थीं। यह अराजकता वे लोग करते थे, जिन्हें भारत के लोकतंत्र पर विश्वास नहीं था और जिन्हें विश्वास था वे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के साथ जुड़कर देश को मजबूत बनाने के लिए आगे बढ़ते थे। जिन्हें भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती थी, वे हर योजना में भ्रष्टाचार करते थे।''

नकली बाते और झूठे वादे करने के लिए चुनाव में जनता भाजपा का सफाया कर देगी : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बदायूं (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि समाज के सभी वर्गों के साथ नकली बातें एवं झूठे वादे करने के कारण तीसरे चरण के चुनाव में ही भारतीय जनता पार्टी का सफाया करने जा रही हैं ।

बदायूं लोकसभा के सहसवान विधानसभा क्षेत्र के करबा नाधा में आयोजित समाजवादी पार्टी की जनसभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सात तारीख को तीसरे चरण के चुनाव में जनता भाजपा को सात समुंदर पार फेंक देगी। उन्होंने कहा कि यह चरण उनका सफाया करने जा रहा है । उन्होंने कहा, ''सफाया इसलिये होने जा रहा हैं क्योंकि इन्होंने कोई वर्ग नहीं छोड़ा जिससे इन्होंने नकली बातें न की हो। पिछले दस साल का इनका हिसाब किताब देखें तो इनकी हर बात झूठी निकली और वादे झूठे निकले।'' यादव ने कहा, ''जो लोग कहते थे, आय दोगुनी कर देंगे उन्होंने किसानों के लिये तीन काले कानून लाने का काम किया था। उनकी साजिश थी कि हम किसानों की जमीन छीन कर पैदावार पर कब्जा कर ले। लेकिन हम अपने किसानो को बधाई देना चाहते हैं कि उन्होंने जाकर दिल्ली में धरना दिया । किसान तब तक डटे रहे जब तक सरकार ने तीनों काले कानून वापस नही ले लिये ।'' सपा अध्यक्ष ने कहा कि अभी किसानो की लड़ाई खत्म नहीं हुई हैं । यादव ने कहा कि इन्होंने (भाजपा) किसानो से वादा किया था कि उनका कर्ज माफ करेंगे । इन्होंने बड़े-बड़े उदयोगपतियों का तो कर्ज माफ कर दिया लेकिन हमारे किसानो का कर्ज माफ नहीं किया। उन्होंने कहा, ''हम अपने किसान भाईयों को विश्वास दिलाते हैं कि इंडि गठबंधन की सरकार बनेगी तो आपका भी कर्ज पूरा का पूरा माफ होगा। अगर उद्योगपतियों का कर्ज माफ हो सकता हं तो हमारे किसानो का कर्ज क्यों नही माफ होगा।''

उन्होंने कहा कि देश में फौज की नौकरी चार साल करके जवानों को अग्निवीर बना दिया गया, हमारी सरकार बनेगी तो अग्निवीर जैसी व्यवस्था को हमेश हमेशा खत्म कर देंगे ।

प्रधानमंत्री मोदी एक शहंशाह हैं, जनता से उन्हें कोई मतलब नहीं है : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखानी (गुजरात)/भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने अपने भाई राहुल गांधी के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'शहजादा' तंज पर शनिवार को पलटवार करते हुए उन्हें (मोदी को) 'शहंशाह' बताया, जो महल में रहते हैं और जनता से कटे हुए हैं।

कांग्रेस महासचिव अपनी पार्टी की उम्मीदवार गेनीबेन ठाकोर के प्रचार के लिए गुजरात के बनासकांठा लोकसभा क्षेत्र के लखानी में एक रैली को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने मोदी पर सत्ता के लिए गुजरात के लोगों का इस्तेमाल करने और फिर उन्हें भूल जाने का भी आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा, ''वह मेरे भाई को शहजादा कहते हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि यह शहजादे आपकी (लोगों की) समस्याएं सुनने के लिए कन्याकुमारी से कश्मीर तक 4,000 किलोमीटर तक चले, मेरे भाइयों और बहनों, किसानों और मजदूरों से मिले तथा उनसे पूछा कि हम उनकी समस्याओं का कैसे समाधान कर सकते हैं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को गुजरात में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा था और कहा था कि पाकिस्तान कांग्रेस के शहजादे को भारत का अगला प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्सुक है क्योंकि देश के दुश्मन एक कमजोर सरकार चाहते हैं। प्रियंका ने कहा, ''दूसरी ओर आपके 'शहंशाह' नरेन्द्र मोदी हैं। वह महलों में रहते हैं। क्या आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है? एक दम साफ सुथरा सफेद कुर्ता, धूल का एक दाग नहीं है। एक बाल इधर से उधर नहीं हो रहा है। वह आपकी मेहनत, आपकी खेती को कैसे समझेंगे? वह आपकी समस्याओं को कैसे समझेंगे, आप महंगाई के बोझ से दबे हुए हैं?'' कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा संविधान को बदलना चाहती है और कानून की किताब के जरिए लोगों को मिले अधिकारों को कम और कमजोर करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''जब वे कहते हैं कि वे संविधान बदलना चाहते हैं, तो इसका मतलब है कि वे संविधान में आपको दिए गए सभी अधिकारों को कम और कमजोर करना चाहते हैं। यदि आप आज की राजनीति को समझते हैं तो पिछले 10 वर्ष में मोदी ने जो सबसे बड़ा काम किया है वह है जनता के अधिकारों को कमजोर करना।'' प्रियंका ने गुजरात से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने के मोदी के फैसले पर भी सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्होंने राज्य के लोगों का इस्तेमाल किया और उन्हें भूल गए। उन्होंने पूछा, ''मोदी अब आपको नहीं पहचानते। यदि वह गुजरात के लोगों से कटे हुए नहीं हैं तो वह यहां से चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मोदी गुजरात से नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी से चुनाव लड़ रहे हैं क्योंकि वह गुजरात के लोगों से कटे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''उन्होंने आपका इस्तेमाल किया, आपके समर्थन से सत्ता, नाम और सम्मान अर्जित किया और आपको भूलकर खुद को आपसे अलग करने के लिए प्रधानमंत्री बन गये।''

संदेशखालि प्रकरण बंगाल को बदनाम करने के लिए भाजपा की साजिश : तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता/भाषा। संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों पर पार्टी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर दावा किया कि यह प्रकरण लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल को बदनाम करने के लिए भाजपा की एक ''साजिश'' थी। कथित वीडियो में, संदेशखालि में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंडल अध्यक्ष होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति को यह कहते सुना जा सकता है कि पूरी साजिश के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का हाथ है। उक्त व्यक्ति ने वीडियो में आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे और क्षेत्र के अन्य भाजपा नेताओं को ''शाहजहां शेख सहित तीन तृणमूल नेताओं के खिलाफ बलात्कार के आरोप लगाने के लिए तीन-चार स्थानीय महिलाओं को उकसाने'' को कहा था।हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है।

कांग्रेस और भाजपा, आरक्षण के खिलाफ हैं : मायावती

आगरा (उप्र)/भाषा। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को आरोप लगाया कि आरक्षण के मुद्दे पर बड़े-बड़े दावे करने वाली कांग्रेस और भाजपा वास्तव में इसके खिलाफ हैं और दोनों दल नहीं चाहते कि इसका पूरा लाभ दलित, आदिवासी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग तक पहुंचे। बसपा अध्यक्ष ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''आरक्षण को लेकर आज कई बातें कही जा रही हैं। कांग्रेस एवं भाजपा दोनों दलित, आदिवासी एवं ओबीसी वर्गों के लिए आरक्षण के मुद्दे पर बड़े-बड़े दावे कर रही हैं। लेकिन दोनों दरअसल इसके खिलाफ हैं और नहीं चाहते कि इसका पूरा लाभ इन वर्गों तक पहुंचे।''

इस बात पर जोर देते हुए कि सरकारी नौकरियों में आरक्षित श्रेणियों के लिए रिक्त पद नहीं भरे गए हैं और पदोन्नति में कोटा भी अप्रभावी बना दिया गया है, उन्होंने यह याद दिलाया कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान पदोन्नति में आरक्षण का प्रावधान समाप्त कर दिया गया था। बसपा नेता ने कहा, आपको पता होना चाहिए कि जब यह मामला हमारी पार्टी ने संसद में उठाया था और हमने सरकार पर पदोन्नति में आरक्षण के लिए एक संशोधन विधेयक लाने के लिए

दबाव डाला था, तो कांग्रेस, जो सत्ता में थी और भाजपा ने एक दूसरे के साथ मिलीभगत कर ली थी। समाजवादी पार्टी को आगे रखकर इसे भाजपा और कांग्रेस की मिलीभगत के कारण पास नहीं होने दिया गया ।'' आगरा, फतेहपुर सीकरी और हाथरस से बसपा उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगते हुए, उन्होंने अपने समर्थकों से रिकॉर्ड अंतर से जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बसपा अध्यक्ष ने भाजपा सरकार द्वारा गरीबों को बांटे जा रहे मुफ्त अनाज का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा इसे चुनाव के समय भुनाने की कोशिश कर रही है । आगरा, हाथरस और फतेहपुर सीकरी में तीसरे चरण सात मई को मतदान होगा।

'हम जिस स्टेडियम में खेलते हैं उसका आकार आधुनिक क्रिकेट में प्रासंगिक नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के प्रमुख ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शनिवार को कहा कि आधुनिक समय में बल्लेबाजी का इस तरह से विकास हो रहा है कि अविश्वसनीय पावर-हिटिंग धीरे-धीरे क्रिकेट स्टेडियमों के आकार को अप्रासंगिक बना रही है और उन्हें डर है कि यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है। अश्विन की टिप्पणी इस साल के आईपीएल में टीमों द्वारा बनाए जा रहे बड़े स्कोर के संदर्भ में आयी है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने मौजूदा सत्र में दो बार इस लीग का सबसे बड़े स्कोर (277 और 287) का रिकॉर्ड बनाया। इंपैक्ट प्लेयर नियम के आने के बाद मौजूदा आईपीएल सत्र में टीमों ने कई बार 250 रन के आंकड़े को पार किया। अश्विन ने कहा, '' कुछ समय पहले बनाए गए स्टेडियम आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं। उस समय जो बल्ले इस्तेमाल किए जाते थे, उनका इस्तेमाल अब गली क्रिकेट में नहीं होता है। प्रायोजकों के एलईडी बोर्डों के इस्तेमाल के कारण बाउंड्री पहले ही 10 गज कम हो गयी है।'' अश्विन ने अपनी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान ये बातें कही। अश्विन का मानना है कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में खेल एकतरफा हो जाएगा। अपनी बातों को सीधे तरीके से रखने वाले अश्विन ने कहा, '' आज के दौर में खेल एक तरफ (बल्लेबाज) बहुत ज्यादा झुका हुआ है। यह किसी को परेशान कर के किसी को खुश करने जैसा है।

गेंदबाजों को मानसिक तौर पर प्रोत्साहन की जरूरत है।''

अश्विन ने हालांकि उम्मीद जतायी कि इन परिस्थितियों में भी एक अच्छा गेंदबाज अपनी पहचान बनाएगा और अपने नये कौशल के साथ खुद को साबित करना जारी रखेगा। अश्विन ने कहा, '' जब खेल संतुलन बदलता है और आपको जवाब ढूंढने होते हैं। खुद को अलग दिखाने के लिए यह अच्छा मौका होता है।''

'धोनी मेरे क्रिकेट करियर में पिता जैसी भूमिका निभा रहे हैं'

चेन्नई/भाषा। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना ने करिश्माई क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को अपने क्रिकेट करियर में पिता तुल्य करार देते हुए कहा कि चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान की छोटी-छोटी सलाह से उन्हें काफी आत्मविश्वास मिला है।

इस 21 साल के गेंदबाज ने 2022 में इंडियन प्रीमियर लीग में पदार्पण किया था और तब से वह सीएसके की तेजी गेंदबाजी इकाई के प्रमुख स्तंभ है। उनके शानदार प्रदर्शन पिछले सत्र में सीएसके को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। धोनी से मिले मार्गदर्शन पर पथिराना ने कहा, ''मेरे पिता के बाद, मेरे क्रिकेट जीवन में ज्यादातर वही (एमएसडी) पिता जैसी भूमिका निभाते हैं। वह हमेशा मेरा ख्याल रखते हैं और मुझे

कुछ मार्गदर्शन देते रहते हैं। यह ऐसा ही है जैसे मेरे पिता घर में करते हैं।'' उन्होंने सीएसके के यूट्यूब चैनल पर 'लायंस अप क्लोज' कार्यक्रम में कहा, ''मुझे लगता है कि वह मुझसे जितनी बातें साझा करते है उतना काफी है। वह मैदान के अंदर या बाहर बहुत ज्यादा बात नहीं करते है लेकिन मुझे छोटी-छोटी बातें बताते रहते हैं। इससे बहुत फर्क पड़ता है और इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ता है।'' श्रीलंका के गेंदबाज के लिए आईपीएल का मौजूदा सत्र अच्छा रहा है।

मोदी सत्ता में बने रहने के लिए हिंदुओं में डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं : फारूक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सत्ता में बने रहने के लिए हिंदुओं के बीच डर का माहौल पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि वह अब आम लोगों के मुद्दों पर बात नहीं करते हैं।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों से ''बांटो और राज करो की इस राजनीति'' से दूर रहने को कहा। अब्दुल्ला ने लोकसभा चुनाव में नेकां के उम्मीदवार आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी के समर्थन में यहां शहर के खानयार इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''मोदी हिंदुओं में डर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं और इसलिए वह उनसे कह रहे हैं कि आपके मंगलसूत्र छीन लिए जाएंगे तथा मुसलमानों को पैसे देने के लिए उसे बेच दिया जाएगा। क्या हम इतने बुरे लोग हैं कि अपनी मां-बहनों से मंगलसूत्र छीन लेंगे?'' श्रीनगर से सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री हिंदुओं से कह रहे हैं कि यदि मौजूदा चुनावों के बाद विपक्षी गठबंधन 'इंडि' केंद्र की सत्ता में आता है, तो उनकी बचत पर कर लगाया जाएगा और यदि उनके पास दो घर हैं, तो एक छीन लिया जाएगा और मुसलमानों को दे दिया जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा, ''वह हिंदुओं में मुसलमानों के प्रति नफरत पैदा कर रहे हैं और फिर कहते हैं कि मुसलमान अधिक बच्चे पैदा करते हैं। बच्चे अल्लाह की देन होते हैं। कई (लोगों) के (बच्चे) नहीं हैं। जब उनकी कोई संतान ही नहीं हैं तो वह बच्चों के बारे में क्या जानते हैं?'' उन्होंने प्रधानमंत्री पर देश में ''नफरत पैदा करने'' की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि ''हम इसके खिलाफ हैं''।

सुविचार

इस दुनिया में सभी लोगों के तीन प्रकार के जीवन है, सबके साथ मिलजुल कर रहना, खुद का निजी जीवन और गुप्त जीवन।

ट्वीट

कांग्रेस की अब कोई विश्वसनीयता नहीं है। इन्होंने 55 साल तक देश में राज किया है, कभी भी जाति जनगणना करी है क्या? वो बताए... क्यों नहीं करी। कांग्रेस पार्टी ने काका साहेब कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट रद्दी में डाल दिया। मंडल कमीशन की रिपोर्ट को दबा कर रखा।

- अमित शाह

आज जनसंपर्क यात्रा के दौरान सुंदरनगर विधानसभा में अपनों के बीच जाने का अवसर मिला। ये बेजोड़ प्यार व उत्साह देखकर मैं आश्वस्त हूं कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ मंडी की सीट जीत रही है।

-कंगना रानौत

कहानी

असली चेहरा

कुछ दिन पूर्व हुई एक घटना ने उसके दिल और दिमाग पर गहरा असर छोड़ा था। घटना इस प्रकार थी कि उनके संगठन द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रम को राजन के विभाग द्वारा संचालित करना था। इस बारे में शहर में भी सब को पता था। लेकिन इस कार्यक्रम के बारे में अमर ने उससे झूठ बोला कि यह कार्यक्रम राजन के विभाग को नहीं करना था। उसे अंधेरे में रखते हुए, अमर उसके विभाग के बैनर के साथ कार्यक्रम के नियत दिन उसका संचालन कर रहा था।

हर सुबह की तरह वह भी एक खुशनुमा सुबह थी। राजन अपनी पत्नी नेहा के साथ अपने घर के लॉन की देखभाल कर रहा था। तभी उसके मोबाइल फोन पर आ रही कॉल ने उसका ध्यान उस ओर किया। यह कॉल उसके संगठन में उसके विभाग के प्रदेश कार्यालय से थी। प्रदेश कार्यालय से प्राप्त सूचना और हुई बातचीत ने उसकी भावनाओं को फिर से आहत कर दिया। वह स्थानीय संगठन से जुड़े एक व्यक्ति और घटना को भूल चुका था। लेकिन इस कॉल के बाद उसकी आंखों के सामने उस व्यक्ति की संगठन में हाल ही की और संगठन से जुड़ी अतीत की कई घटनाएं किसी चलचित्र की तरह चलने लगी थीं।

उनके संगठन का एक सदस्य अमर खुद को राजन का नजदीकी दोस्त होने का दावा करने में कभी कोताही नहीं बरतता था। वह भी अमर को अपने दोस्त से बढ़कर छोटा भाई मानता था। उसके परिवार के हर कार्यक्रम में अमर को परिवार के सदस्य की तरह ही सम्मान दिया जाता था। लम्बे समय से संबंध में उसने अमर को कभी भी उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक प्रतिष्ठा, व्यक्तिगत योग्यता और बौद्धिक स्तर कमतर होने का अहसास नहीं कराया। लेकिन अपनी छोटी सोच और अति महत्वाकांक्षा के कारण हाल ही की एक घटना से अमर ने उसके साथ बरसों पुराने संबंधों की बली चढ़ा दी थी।

वह इस बात को अच्छी तरह से समझता है कि इंसानी रिश्ता आपसी प्रेम, सच्चाई, विश्वास, आदर और समर्पण के अदृश्य धागे से जुड़ा होता है। हर रिश्ते में इस धागे की मजबूती बहुत जरुरी है। गुजरते वक़्त के साथ लम्बे रिश्तों के विभिन्न रुप में एक मिसाल की तरह इनका जिक्र होता है। जितना समय इस धागे को मजबूत होने में लगता है, उतना समय इसके टूटने में नहीं लगता। बहुत इंसान सब कुछ जानते हुए भी स्वार्थवश रिश्तों में व्यक्ति की महत्ता, भावना और प्रतिष्ठा को नजरअंदाज कर देते हैं। यह अदृश्य धागा टूट जाता है। इस तरह धागे का टूटना अपने पीछे छोड़कर जाता है केवल और केवल कडुवाहट।

वह यह भी जानता है कि कुछ लोग हीनभावना, असुरक्षा की भावना से ग्रस्त, चरण चुम्बन कला में दक्ष, कुंठित और कुटिल होते हैं। इस तरह के नाक़ाबिल व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए दूसरे सम्मानित व्यक्ति के अधिकार क्षेत्र का हनन करते हुए संबंध की महत्ता, सम्मान और विश्वास को जानबूझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इस तरह की प्रवृत्ति के लोग आपसी दोस्ती और पारिवारिक संबंध में हमेशा अपनी स्वार्थ पूर्ति का नजरिया ही रखते हैं। हालांकि यह संबंधित व्यक्ति को जब समझ में आता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

इस तरह के लोग ऐसा व्यवहार अधिकतर लोगों के साथ करते हैं। वे लोग यह भूल जाते हैं कि क्षणिक लाभ की उनकी इस प्रवृत्ति और हरकत से संबंधित व्यक्ति की भावना, प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान को कितनी ठेस पहुंचती है। संवेदनशील और आत्मसम्मान वाले लोगों के लिए उन संवेदनहीन लोगों की छोटी सोच, धूर्तता और निम्न स्तर तक नहीं उतरा जा सकता। लेकिन अपनों के द्वारा ऐसा व्यवहार करते देख, भले कुछ समय के लिए ही, ज्यादा पीड़ा होती है।

राजन खुद एक मल्टीनेशनल कंपनी से उच्च अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुआ था।केवल शहर ही नहीं बल्कि प्रदेश और देश में उसका प्रतिष्ठित परिवार इस संगठन और विचारधारा से संगठन के शुरुआती समय से जुड़ा हुआ था। लेकिन सेवानिवृत्त होने के बाद वह संगठन के और सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय रुप से भाग लेने लगा था। कुछ ही समय बाद उसकी योग्यता और अनुभव को देखते हुए संगठन ने उसे एक विभाग के अध्यक्ष की जिम्मेवारी दे दी थी। संगठन में पहले से ही सक्रिय अमर, जोकि अलग विभाग में था, से अब उसकी ज्यादा मुलाकातें होने लगी थी। अमर की प्रवृत्ति को जानने वाले बहुत व्यक्ति उससे संभलकर रहने का भी कहते थे। वे अक्सर कहते थे कि अमर किसी का सगा नहीं हो सकता। उस पर किसी भी तरह विश्वास नहीं किया जा सकता। वह अमर के बारे में कही गई इन सब बातों पर कभी ध्यान नहीं देता था। क्योंकि उसे विश्वास था कि अमर उसके साथ कभी विश्वासघात नहीं कर सकता। बहुत कम समय में ही उसने संगठन में अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। हालांकि संगठन से परे उसकी अपनी विशिष्ट पहचान थी।

बीतते समय के साथ उसने महसूस किया कि अमर उसके संगठन में आने से खुश नहीं था। संगठन के कार्यक्रमों में अमर और साथियों की यह पुरजोर कोशिश रहती थी कि उसे बोलने या प्रतिनिधित्व का मौका ही नहीं दिया जाए। पहले वह इसे अपनी गलतफहमी मानकर भूल जाता था।

उसका संगठन कार्यालय जाना रोज नहीं हो पाता था। उसे यह भी पता चला कि जब किसी कार्यक्रम के संदर्भ में संगठन के अधिकारी अमर से पूछते कि राजन कहां है या किसी कार्यक्रम कोई सूचना देनी होती तो वह कहता था कि राजन शहर से बाहर है या राजन को संगठन में ज्यादा रुचि नहीं है। यह जानकर उसे हैरानी होती। लेकिन लगातार ऐसा होते देख उसे समझ में आ गया था कि संगठन में उसके प्रति अमर के मन में कोई दुर्भावना जरुर थी। संगठन के कार्यक्रमों को लेकर वह उससे दूरी बनाने लगा था। अमर किसी ना किसी तरह हर कार्यक्रम में खुद आगे रहता और किसी अन्य को भी आगे नहीं आने देता। भले ही उस कार्यक्रम का विषय अमर का हो या न हो। शायद हीन भावना की मानसिक बीमारी से अमर ग्रस्त हो गया था।

कुछ दिन पूर्व हुई एक घटना ने उसके दिल और दिमाग पर गहरा असर छोड़ा था। घटना इस प्रकार थी कि उनके संगठन द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रम को राजन के विभाग द्वारा संचालित करना था। इस बारे में शहर में भी सब को पता था। लेकिन इस कार्यक्रम के बारे में अमर ने उससे झूठ बोला कि यह कार्यक्रम राजन के विभाग को नहीं करना था। उसे अंधेरे में रखते हुए, अमर उसके विभाग के बैनर के साथ कार्यक्रम के नियत दिन उसका संचालन कर रहा था। कार्यक्रम में जहां उसको होना चाहिए था, षड्यंत्र रचकर वहां अमर खड़ा था।

यदि खुद के द्वारा इस कार्यक्रम के संचालन के बारे में अमर ने एक बार भी कहा होता तो वह उसे मना नहीं करता। जबकि अमर उसके विभाग में भी नहीं था। अमर के इस कृत्य में संगठन के एक वरिष्ठ सहयोगी को कार्यक्रम के संचालन के बारे में सच्चाई पता होने के बाद भी उसे पूरा सहयोग और समर्थन प्राप्त था। मंच पर खड़ा अमर अपनी पहचान के लिए माइक पर बड़ी बेशर्मी से अपना नाम बार-बार ले रहा था।

कार्यक्रम में बुलाए गए विशिष्ट अतिथि के सामने खुद के द्वारा हिन्दी में लिखे हुए संबोधन भाषण को भी ढंग से नहीं पढ़ पाने के बावजूद अमर वहां मौजूद लोगों में हकीकत से परे खुद को सबसे बुद्धिमान मान रहा था।

पूरे कार्यक्रम में अमर ने उसको मंच पर बुलाना तो दूर की बात है, उसका नाम और विभाग की मौजूदगी को भी जानबूझकर नजरअंदाज किया। अमर को राजन की प्रतिष्ठा और छवि से कोई सरोकार नहीं था। कार्यक्रम में अधिकतर लोग राजन द्वारा बुलाए गए थे। वे सभी लोग अपनी आंखों में कई अनकहे सवाल लिए राजन की ओर देख रहे थे। उसके पास उनके कहे और अनकहे सवालों का कोई जवाब नहीं था।

राजन का यह एक तरह से सार्वजनिक अपमान ही था। वह वक़्त की नजाकत को समझते हुए अपमान का घूंट पीकर वहां शांत रहा। वह अमर को आईना दिखाने के लिए बहुत कुछ कर सकता था और कर सकता है। लेकिन वह उस निम्न स्तर तक उतर नहीं सकता। क्योंकि शहर, समाज और संगठन में उसकी और उसके परिवार की प्रतिष्ठा है। सभी लोग उन्हे सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। उसके और विभाग के एक सहयोगी दिनेश ने इस कार्यक्रम में सहयोग संगठन के प्रति निष्ठा, संगठन में उच्च पद पर आसीन व्यक्तित्व के आने और उनके प्रति आदर के कारण किया था। मंच पर उपस्थित सभी व्यक्तित्व इस घटना से अनभिज्ञ थे। विशिष्ट अतिथि और अन्य गणमान्य लोगों के जाने के बाद भी अमर मंच पर माइक हाथ में लिए खड़ा था। उसके चेहरे पर किसी तरह की परेशानी नहीं थी। कुछ ही पलों में उसका भावहीन चेहरा राजन की आंखों में धुंधलाने लगा था।

इन सब बातों का खुलासा कार्यक्रम होने के बाद में विभाग के प्रदेश कार्यालय से प्राप्त सूचना से हुआ। सूचना के अनुसार यह कार्यक्रम राजन के विभाग द्वारा संचालित होने के लिए ही तय किया गया था। जब नेहा, बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को अमर के इस कृत्य के बारे में पता चला तो उन्हे बहुत आश्चर्य और दुख हुआ। एक बार तो उन्हे यकीन नहीं हुआ कि लम्बे समय से परिवार के सदस्य की तरह रहा मासूम से चेहरे वाला अमर ऐसी हरकत भी कर सकता है। लेकिन सच्चाई जानने के बाद सभी ने माना कि व्यक्तिगत कुंठाओं और स्वार्थ के कीड़े ने अमर की संवेदनाओं को ही मार दिया था।

वह अपने मोबाइल फोन पर बज रही रिंगटोन सुनकर वर्तमान में लौटा। उसने महसूस किया कि अमर के इस कृत्य से उनके बीच बरसों से कायम दोस्ती और विश्वास की प्रतिमा अमर की कुंठित मानसिकता, धूर्तता, झूठ और षड्यंत्र की चोट से टूटकर टुकड़े-टुकड़े हो चुकी थी।

उसको लगने लगा कि उसके कमरे के फर्श पर बिखरे प्रतिमा के टुकड़ों पर गिरकर परावर्तित होते प्रकाश की किरणें आंखों में आने से उसकी आंखें चुंधियाने लगी थीं। दोस्ती की टूटी हुई प्रतिमा के टूटे हुए टुकड़ों में उसे अमर के कई धुंधले चेहरे नजर आ रहे थे। जिन्हे वह अभी तक पहचान नहीं पाया था। अब तो अमर का असली चेहरा भी पहचानने के बाद उन चेहरों के साथ धुंधला चुका था। जब वह सामान्य हुआ तब तक उनके बीच सब कुछ समाप्त हो चुका था। उनके बीच दोस्त और दोस्ती के अब कोई मायने नहीं बचे थे। अमर के मासूम से दिखने वाले असली चेहरे के पीछे का सच, लम्बे समय बाद ही सही, सामने आ चुका था। राजन के लिए सच्चाई, विश्वास, प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान से बढ़कर कुछ नहीं था।

सुधीर केवलिया

फोन नं. : 09413279217

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

मायोपिआ

दिन के गमन और संध्या के आगमन का समय है। पदभ्रमण करते हुए बहुत दूर निकल चुका हूँ। अब लौट रहा हूँ। आजकल कोई मार्ग ऐसा नहीं बचा जिस पर ट्रैफिक न हो। ऐसी ही एक सड़क के पदपथ पर हूँ। कुछ दूरी पर सेना द्वारा संचालित एक स्थानीय विद्यालय है। इसके ठीक सामने एक सैनिक संस्थान है। धुँधलके का समय है, स्वाभाविक है कि इमारतें और पेड़ भी धुँधले दिख रहे हैं। इससे विपरीत स्थिति वह है, जिसमें धुँधलाती तो आँखें हैं और लगता है जैसे इमारतें और पेड़ धुँधला गए हों। प्रत्यक्ष और आभास में यही अंतर है।

विद्यालय से लगे पदपथ पर चल रहा हूँ। देखता हूँ कि कुछ दूरी पर पथ से सटकर एक बाइक खड़ी है। पुरुष बाइक के सहारे खड़ा है। यह भी आभासी है। सत्य तो यह है कि बाइक उसके सहारे खड़ी है। उसके साथ की स्त्री नीचे पदपथ पर चेहरा झुकाए बैठी है। एक तरह की आशंका भीतर घुमड़ने लगी। यद्यपि किसी के निजी जीवन में प्रवेश करने का अधिकार किसी दूसरे को नहीं होता तथापि संबंधित स्त्री यदि किसी प्रकार की कठिनाई में है तो उसकी सहायता की जानी चाहिए। इस भाव ने कदम उसी दिशा में बढ़ाए। थोड़ा और चलने पर यह जोड़ा साफ-साफ दिखाई देने लगा । दूर से ऐसा कुछ लग नहीं रहा था कि दोनों में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति हो । मेरे और उनके बीच की दूरी अब मुश्किल 20 फीट रह गई थी। देखता हूँ कि अपने आँचल से ढक कर वह शिशु को स्तनपान करा रही है। स्वाभाविक है था कि मैंने अपने दिशा में परिवर्तन कर लिया।

दिशा में परिवर्तन के साथ विचार भी बदले, मंथन आरंभ हुआ। कैसी और किन-किन परिस्थितियों में संतान का पोषण करती है माँ, उसे अमृत-पान कराती है! माँ के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है शिशु।

मंथन कुछ और आगे बढ़ा और विचार उठा कि प्रकृति भी तो माँ है। मनुष्य द्वारा मचाये जाते सारे विध्वंस के बीच आशा की एक किरण बनकर खड़ी रहती है प्रकृति। आश्चर्य देखिये कि माँ की कोख में विष उँड़ेलता मनुष्य अपने कृत्य पर लज्जित नहीं होता, प्रकृति का अनवरत शोषण करता हुआ लजाता नहीं अपितु पंचतत्वों के संहार में निरंतर जुटा होता है। विरोधाभास यह कि पंचतत्वों का संहारक, पंचतत्वों से बनी काया के छूटने पर दुख मनाता है। मनुष्य लघु तो देख लेता है पर प्रभु उसे दिखता नहीं, निकट का देख लेता है, पर दूर का ओझल रहता है। नेत्रविज्ञान इसे मायोपिआ कहता है। आदमी के इस शाश्वत मायोपिआ का एक चित्र कविता के माध्यम से देखिए-

वे रोते नहीं
धरती की कोख में उतरती
रसायनों की खेप पर,
ना ही आसमान की प्रहरी
ओज़ोन की पतली होती परत पर,
दूषित जल, प्रदूषित वायु,
बढ़ती वैश्विक अग्नि भी,
उनके दुख का कारण नहीं,
अब...,
विदारक विलाप कर रहे हैं,
इन्हीं तत्वों से उपजी
एक देह के मौन हो जाने पर...,
मनुष्य की आँख के
इस शाश्वत मायोपिआ का
इलाज ढूँढ़ना अभी बाकी है..!

हर हाल में मानव और मानवता को पोषित करने वाली प्रकृति के प्रति मनुष्य का यह मायोपिआ समाप्त होना चाहिए। इससे अनेक प्रश्न भी हल हो सकते हैं। काँक्रीटीकरण, ग्लोबल वॉर्मिंग, कार्बन उत्सर्जन, पिघलते ग्लेशियर सब रुक सकते हैं। बहुत देर होने से पहले आवश्यक है, अपने-अपने मायोपिआ से मुक्त होना..। इति

बोध कथा

बादशाह का सपना

चतुराई और बुद्धि के सही इस्तेमाल के लिए बीरबल के किस्से खूब मशहूर हैं। बादशाह अकबर के ऊपर आई मुसीबतों को बीरबल हमेशा चुटकियों में सुलझा देते थे। सिर्फ असल जिंदगी की परेशानी ही नहीं, बल्कि बादशाह के सपनों की गुत्थियों का जवाब भी बीरबल के पास होता था। ऐसा ही एक किस्सा है, बादशाह के अजीब सपने का। आइए, आपको सुनाते हैं पूरी कहानी।

एक बार की बात है, जब बादशाह अकबर गहरी नींद से अचानक उठ गए और फिर रात भर सो नहीं सके। वो बहुत परेशान थे, क्योंकि उन्होंने अजीब-सा सपना देखा था, जिसका मतलब वो समझ नहीं पा रहे थे। उन्होंने देखा कि उनके एक के बाद एक सारे दांत गिरते चले गए और आखिर में सिर्फ एक ही दांत बचा। इस सपने से वह इतने चिंतित हुए कि उन्होंने इसके बारे में सभा में चर्चा करने के बारे में सोचा।

अगले दिन सभा में पहुंचते ही अकबर ने अपने विश्वसनीय मंत्रियों को सपना सुनाया और सभी से राय मांगी। सभी ने उन्हें सुझाव दिया कि इस बारे में किसी ज्योतिष से बात करके सपने का मतलब समझना चाहिए। बादशाह को भी यह बात सही लगी।

अगले दिन उन्होंने दरबार में विद्वान ज्योतिषों को बुलवाया और अपना सपना सुनाया। इसके बाद सभी ज्योतिषों ने आपस में विचार-विमर्श किया। फिर उन्होंने बादशाह से कहा, जहांपनाह, इस सपने का एक ही मतलब निकलता है कि आपके सभी रिश्तेदार आपसे पहले ही मर जाएंगे। ज्योतिषों की यह बात सुनकर अकबर को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने सभी ज्योतिषों को दरबार से जाने का आदेश दिया। उन सभी के जाने के बाद बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाया और कहा, बीरबल, तुम्हारे अनुसार हमारे सपने का मतलब क्या होगा?

बीरबल ने कहा, हुजूर, मेरे हिसाब से आपके सपने का मतलब यह था कि आपके सभी रिश्तेदारों में से आपकी उम्र सबसे ज्यादा होगी और आप उन सभी से ज्यादा समय तक जीते रहेंगे। इस बात को सुनकर बादशाह अकबर बहुत खुश हो गए। वहां मौजूद सभी मंत्रियों ने सोचा कि बीरबल ने भी ज्योतिषों की ही बात को दोहराया है। इतने में बीरबल ने उन मंत्रियों से कहा कि देखो, बात वही थी, बस कहने का तरीका अलग था। बात को हमेशा सही तरीके से सामने रखा जाना चाहिए। मंत्रियों को इतना कहकर बीरबल सभा से चले गए।

कहानी से सीख :

किसी भी बात को बोलने का एक सही तरीका होता है। विचलित करने वाली बात को भी सही तरीके से कहा जाए, तो उसका बुरा नहीं लगता। इसी वजह से बात को हमेशा सही तरीका और सलीके से रखा जाना चाहिए।

वीर गाथा

मेजर विनय चौधरी: घायल होने के बावजूद कर दिया 3 खूंखार आतंकवादियों का संहार

मेजर विनय चौधरी का जन्म 18 जनवरी, 1968 को हरियाणा के जींद जिले के मंगलपुर गांव में हुआ था। माता संतोष देवी और पिता जिले सिंह चौधरी की वीर संतान विनय खेलकूद और निशानेबाजी में विशेष रुचि रखते थे। वे दिसंबर 1990 में भारतीय सेना की 13 पंजाब बटालियन में भर्ती हुए थे।

यह बटालियन आतंकवादियों के खात्मे के लिए जानी जाती है। इसने कई खूंखार आतंकवादियों का संहार कर शांति की स्थापना की है। इसी सिलसिले में जवानों को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में तैनात किया गया था। वहां भी कई आतंकवादी सिर उठा रहे थे।

29 अप्रैल, 1999 को सेना को अपने विश्वसनीय खुफिया नेटवर्क से सूचना मिली कि टकिया गांव में कुछ आतंकवादी मौजूद हैं, जो भविष्य में बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद सेना ने उन आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू करने का फैसला लिया।

उच्चाधिकारियों ने मेजर विनय के नेतृत्व में एक टीम को संदिग्ध इलाके में भेजा। वहां पहुंचकर जवानों ने आतंकवादियों के चारों ओर घेरा सख्त कर दिया। योजना के अनुसार, विनय अपने साथी जवानों के साथ आगे बढ़े। उन्होंने अचूक निशाना लगाते हुए एक आतंकवादी को ढेर कर दिया।भयंकर गोलीबारी के बीच मेजर विनय अपने जवानों का नेतृत्व करते हुए आगे बढ़ रहे थे। उन्होंने फिर निशाना लगाया और दूसरे आतंकवादी को धराशायी कर दिया। वे तीसरे आतंकवादी का खात्मा करने के लिए आगे बढ़ रहे थे। अचानक उनकी दाहिनी जांघ में गोली लग गई। वे अपनी पीड़ा की परवाह न करते हुए आगे बढ़ते रहे। उन्होंने काफी नजदीक जाकर तीसरे आतंकवादी को भी ढेर कर दिया। गंभीर रूप से घायल हो चुके मेजर विनय ने तीन खूंखार आतंकवादियों का संहार कर दिया था। उसके बाद वे भारत माता की गोद में लीन हो गए। मेजर विनय चौधरी के साहस, शौर्य और बलिदान को भारतवासी हमेशा याद रखेंगे। उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मणिपुर हिंसा का एक साल : कुकी-मेइती दंपति का अनाथालय सद्भाव के लिए उम्मीद की किरण

किठेल्मबी (मणिपुर)। मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण राज्य के लोगों का ध्रुवीकरण होने के एक साल बाद, कुकी-मेइती दंपति द्वारा चलाया जा रहा अनाथालय दोनों समुदायों के बीच सद्भाव फिर से जल्द बहाल होने की उम्मीद जगाता है। दोनजालाल हाओकिप और रेबती देवी की अपनी कोई संतान नहीं है और वे किठेल्मबी में 'द एमा फाउंडेशन होम' नामक अनाथालय संचालित करते हैं। किठेल्मबी, इंफाल घाटी और कांगपोकपी के बीच का संवेदनशील क्षेत्र है, जो पूर्व में मेइती बहुल था और अब यहां कुकी समुदाय का प्रभाव है। क्या राज्य में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए यह आसान काम है? इस पर 52 वर्षीय हाओकिप ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, नहीं, लेकिन प्रेम ही हिंसा का एकमात्र प्रतिकार और शांति का मार्ग है। दंपति 2015 से अनाथालय संचालित कर रहा है, जिसमें मेइती, कुकी, नगा और यहां तक कि नेपाली बच्चे भी रहते हैं। दंपति को तीन मई, 2023 की घटनाएं स्पष्ट रूप से याद हैं जब मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्च' को लेकर जातीय झड़पें हुईं।

हाओकिप कुकी हैं जबकि उनकी पत्नी रेबती मेइती समुदाय से हैं। हाओकिप ने कहा, पिछले साल तीन मई को जब हिंसा शुरू हुई तो हमने सोचा कि सुबह तक स्थिति ठीक हो जाएगी। लेकिन एक और दिन बीत गया और हर गुजरता हुआ पल एक बुरे सपने जैसा महसूस हुआ। मैंने मदद के लिए असम राइफल्स को संदेश भेजा।

उत्तरी गाजा में अकाल अपने चरम पर : संरा अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र (संरा) की एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि इजराइल और हमास के बीच युद्ध को छह महीने से ज्यादा वक्त बीत जाने और फलस्तीनी क्षेत्र में खाद्य आपूर्ति पर इजराइल द्वारा कड़े प्रतिबंध लगाये जाने के कारण संकटग्रस्त उत्तरी गाजा में अकाल अब अपने चरम पर पहुंच गया है। संरा विश्व खाद्य कार्यक्रम की अमेरिकी निदेशक सिंडी मैक्केन अब तक की पहली ऐसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अधिकारी हैं, जिन्होंने उत्तरी गाजा में फंसे नागरिकों के अकाल से जूझने की पुष्टि की है। मैक्केन ने एनबीसी के 'मीट द प्रेस' को दिये साक्षात्कार में कहा, यह भयावह है। उत्तर में अकाल चरम पर है और यह स्थिति दक्षिण की ओर बढ़ रही है।

यह साक्षात्कार रविवार को प्रसारित होगा। उन्होंने कहा कि गाजा में तेजी से बढ़ते इस गंभीर मानवीय संकट का सामना करने के लिए संघर्ष विराम और जमीन व समुद्री मार्गों के जरिये सहायता पहुंचाने की दर में भारी वृद्धि की जरूरत है। गाजा में करीब 23 लाख लोग रहते हैं। इजराइल की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है। गाजा में प्रवेश पर इजराइल का नियंत्रण है और उसका कहना है कि वह भूमि सीमा के जरिये भोजन और अन्य मानवीय सहायता की अनुमति देना शुरू कर रहा है।

अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है कांग्रेस पार्टी : कंगना

सुंदरनगर/एजेन्सी

हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रत्याशी कंगना रनौत ने कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी बताया है। रनौत ने सुंदरनगर बाजार में रोड़ शो किया और अपने लिए वोट मांगने के साथ ही कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं पर तीखे जुबानी हमले बोले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अंग्रेजों की छोड़ी हुई बीमारी है और इससे हमारा देश कई दशकों तक ग्रसित रहा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जनादेश सरदार पटेल को मिला, लेकिन प्रधानामंत्री जवाहर लाल नेहरू को बना दिया गया। उसके बाद इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनी और तानाशाही करके पूरे देश को कैद कर दिया। उसके बाद संजय गांधी ने लोगों की पकड़-पकड़ कर नसबंदी करवाई। फिर इटेलियन सोनिया गांधी इस देश पर अपना हाथ आजमाने आ गई। कांग्रेस पार्टी के इस परिवार वाद ने देश को दीमक की तरह खाया है। लेकिन 2014 में एक परिवर्तन हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को एक नई दिशा दी। कंगना ने राहुल गांधी, तेजस्वी सूर्या और अखिलेश यादव पर भी तीखे जुबानी हमले बोले। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का न कोई चरित्र है और न ही संस्कार। राहुल गांधी चांद पर आलू उगाने की बातें, तेजस्वी सूर्या गुंडागर्दी करके मछली को उछाल-उछाल कर खाते हैं और अखिलेश यादव उटपटांग बातें करते हैं। ये सभी बिगड़े शहजादे हैं। एक शहजादे हिमाचल में भी हैं जिन्हें देश में कोई जानता नहीं था, लेकिन मेरे खिलाफ अभद्र टिप्पणीयां करके आज उन्हें सुर्खियां मिल रही हैं। उन्हें यह मालूम होना चाहिए कि मुझे पद्मश्री जैसा प्रतिष्ठित सम्मान मिला है।

कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महान चरित्र और विपक्षी दलों को कार्टून की संज्ञा भी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिन-रात देश के बारे में सोचते रहते हैं जबकि दूसरी तरफ कार्टून आए दिन हास्यास्पद बातें करते रहते हैं। कांग्रेस के प्रत्याशी कहते हैं कि वे जहां भी जाते हैं वहां दो सड़कों को आपस में जोड़ देते हैं। यदि ऐसा ही है तो फिर प्रदेश के बहुत से इलाके ऐसे हैं, जहां लोगों को जरूरत है, आप वहां क्यों नहीं जाते।

वैचारिक दिवालियेपन का सामना कर रही कांग्रेस : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुना। केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश की गुना लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि कांग्रेस अपने अंत की ओर बढ़ रही है और वह खुद को दीमक की तरह चट कर रही है। सिंधिया ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि कांग्रेस वैचारिक रूप से दिवालिया हो चुकी है और कोई भी उसके साथ नहीं रहना चाहता। पार्टी ने कई सीट पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं, साथ ही इसके कुछ उम्मीदवार भी चुनावी मुकाबले से पीछे हट गए हैं। ग्वालियर के पूर्व शाही परिवार के सदस्य सिंधिया 2020 में कांग्रेस से अपना 18 साल पुराना नाता तोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

सिंधिया के करीबी 22 कांग्रेस विधायकों ने भी उनके साथ विद्रोह कर दिया था, जिसके चलते कमलनाथ के नेतृत्व वाली मध्य प्रदेश की 15 महीने पुरानी कांग्रेस सरकार गिर गई थी और राज्य की सत्ता में भाजपा की वापसी हुई थी। भाजपा सत्ता में लौटी तो संविधान बदल देगी, कांग्रेस के इस आरोप पर सिंधिया ने कहा कि देश में आपातकाल लगाने वाली पार्टी अब संविधान का पाठ पढ़ा रही है। व्यस्त चुनाव प्रचार के बीच गुना से शिवपुरी जाते समय सिंधिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, कांग्रेस विचारधारा, मानव संसाधन के मामले में दिवालिया हो गई है... कोई भी कांग्रेस के साथ नहीं रहना चाहता और पार्टी में किसी के लिए कोई मान-सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा, जिस पार्टी ने चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने के लिए अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए) का 91 बार इस्तेमाल किया, जिस पार्टी के प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश जाने से पहले मुख्यमंत्री बदल दिया, जिस पार्टी ने देश में आपातकाल लगाया, वह अब हमें संविधान पर ज्ञान दे रही है। सिंधिया ने कहा, चुनाव में अपने ही उम्मीदवार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को हरवाने वाली पार्टी देश को दलितों और संविधान के मुद्दों पर उपदेश दे रही है, उसे अपना पिछला रिकॉर्ड देखना चाहिए। संविधान भाजपा का धर्मग्रंथ है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि संविधान को बदलने की कोई हिम्मत भी नहीं कर सकता। तीस अप्रैल को मध्य प्रदेश के भिंड में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया था कि अगर भाजपा केंद्र की सत्ता पर बरकरार रहती है, तो यह गरीबों, दलितों, अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों को अधिकार देने वाले संविधान को फाड़ कर फेंक देगी।

'वेट्टैयन' में नजर आयेगी अमिताभ-रजनीकांत की सुपरहिट जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की सुपरहिट जोड़ी फिल्म वेट्टैयन में नजर आयेगी। टीजे ग्रानवेल द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 'वेट्टैयन' लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनायी जा रह है। 'फिल्म 'वेट्टैयन' के मेकर्स लाइका प्रोडक्शनस ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। पहली ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत साथ में पोज करते दिखाई दे रहे हैं, तो दूसरी फोटो में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन एक-दूसरे से गले मिलते दिख रहे हैं। तीसरी फोटो में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत बातें करते दिखाई दे रहे हैं।

साथ ही प्रोडक्शन हाउस ने एक कैप्शन भी लिखा है, 'द टाइटन्स ऑफ इंडियन सिनेमा। सुपरस्टार रजनीकांत और शंहशाह अमिताभ बच्चन मुंबई में वेट्टैयन के सेट पर। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत ने अंतिम बार वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म हम में काम किया था। इससे पहले दोनों कलाकार फिल्म अंधा कानून (1983) और गिरफ्तार (1985) में स्क्रीन शेयर कर चुके हैं।

आलिया भट्ट स्टारर 'जिगरा' में नजर आएंगे जेसन शाह

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' में अपने काम से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले एक्टर जेसन शाह अपकमिंग फिल्म 'जिगरा' में बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट और एक्टर वेदांग रैना के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म भाई-बहन के प्यारे रिश्ते पर आधारित है। फिल्म के लिए जेसन को फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना होगा। दरअसल, 'हीरामंडी' में उन्होंने अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए वजन बढ़ाया था, लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें अपना वजन घटाने की जरूरत पड़ेगी।

फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, हां, जेसन को फिल्म के लिए चुना गया है और एक्टर ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और डबिंग स्टेज पर हैं। जेसन द्वारा निभाई गई भूमिका 'हीरामंडी' में उनके लुक और व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। दर्शक उन्हें जिस लुक में देखने के आदी हैं, वह उससे बिल्कुल हटकर नजर आएंगे।

''वह जिस किरदार को निभा रहे हैं, उसके लिए उन्हें अपनी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना होगा। ये ट्रांसफॉर्मेशन हर किसी के लिए एक सरप्राइज पैकेज होने वाला है।'' शनिवार को आलिया को मुंबई के बांद्रा इलाके में एक डबिंग स्टूडियो में देखा गया, संभवत: वह 'जिगरा' के लिए डबिंग कर रही थीं। 'जिगरा' का निर्देशन वासन बाला ने किया है। वासन ने अनुराग कश्यप के साथ 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'गुलाल' जैसी फिल्मों में काम किया है।

थ्रिलर सीरीज 'मर्डर इन माहिम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता आशुतोष राणा और विजय राज की साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेबसीरीज 'मर्डर इन माहिम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज 'मर्डर इन माहिम' में आशुतोष राणा एक पत्रकार की भूमिका में हैं और विजय राज एक पुलिस वाले हैं। यह सीरीज खौफनाक मर्डर मिस्ट्री और मुंबई की गुत्थी को उजागर करती है। सीरीज में शिवानी रघुवंशी और शिवाजी साटम भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। आशुतोष राणा ने बताया,जब मुश्किल किरदारों की बात आती है, तो मैं सबसे ज्यादा एक्साइटेड होता हूं। पीटर एक ऐसा ही किरदार है, जो हत्या की जांच के बीच मुझे गहराई से जोड़ता है, इसमें कई कहानियां हैं जो जाति, लिंग और कामुकता के आसपास के सामाजिक कलंक को दिखाती हैं। यही इस शो की खूबसूरती है।

विजय राज ने बताया,जेंडे के किरदार का सबसे खास पहलू उसकी निजी जिंदगी है। मेरी कोशिश इस किरदार में जान भरना है, जो जांच के सीन्स में साफ दिखाई देता है, लेकिन साथ ही, वह आक्रामक भी है। इसलिए, मेरे किरदार के इमोशनल हिस्सों को उकेरना और भावनाओं की एक पूरी सीरीज को स्क्रीन पर लाना रोमांचक था। वेब सीरीज 'मर्डर इन माहिम' लेखक जेरी पिंटो की किताब पर आधारित है और टिपिंग प्वाइंट फिल्म्स और जिग्स पिक्चर्स ने इसे बनाया है। 'मर्डर इन माहिम' का प्रीमियर 10 मई को जियो सिनेमा पर होगा।

डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी बाहुबली : क्राउन ऑफ ब्लड

मुंबई/एजेन्सी

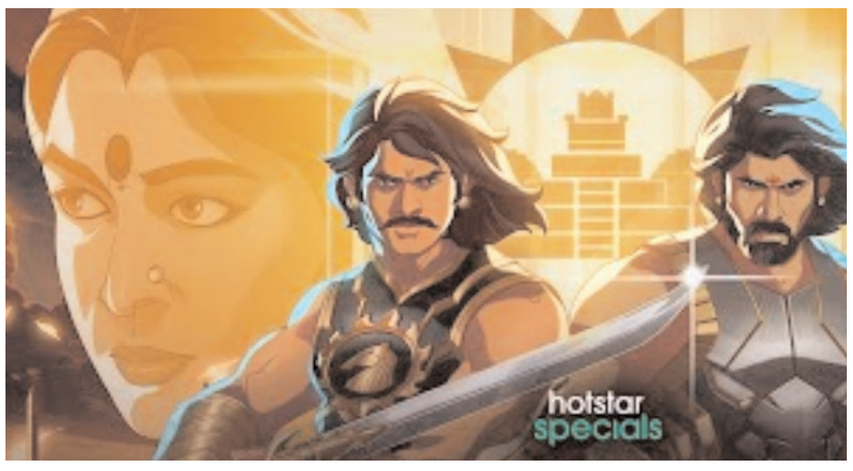

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जाने-माने निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली : क्राउन ऑफ ब्लड 17 मई से डिज्नी+ हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। 'बाहुबली', 'बाहुबली 2' और 'आरआरआर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म देने के बाद, फैंस और दर्शक निर्देशक एसएस राजामौली की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। राजामौली ने अपने आगामी प्रोजेक्ट 'बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड' एनिमेटेड सीरीज का एलान किया है। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड का निर्माण एस.एस. राजामौली, शरद देवराजन और शोबु यार्लागड्डा ने किया है। निर्देशनजीवन जे. कांग और नवीन जॉन ने किया है। डिज्नी हॉटस्टार और एचएसएम एंटरटेनमेंट नेटवर्क, डिज्नी स्टार में कंटेन्ट के हेड गौरव बैनर्जी ने कहा, हम बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड के साथ इस मशहूर फ्रैंचाइजी की गहराइयों में जाने के लिए उत्साहित हैं। हम आज के समय में कहानी कहने की कला में एनिमेशन की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हैं। हम बाहुबली और द लेजेंड ऑफ हनुमान जैसी रोमांचक कहानियों को अपने दर्शकों के लिये पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य वयस्कों के लिये एनिमेशन जोनर को लगातार बेहतर बनाना और दर्शकों को लुभाना है। हम ग्राफिक इंडिया के साथ अपने रिश्ते को भी समृद्ध बनाना चाहते हैं।

बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड के रचनाकर एवं निर्माता एस.एस. राजामौली ने कहा, बाहुबली की दुनिया बहुत बड़ी है और यह फिल्म फ्रैंचाइजी उसका सही परिचय देती है। हालांकि अभी बहुत कुछ जानना बाकी है और ऐसे में बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड की बारी आती है। यह कहानी पहली बार बाहुबली और भल्लालदेव की जिन्दगी के कई अनजाने ट्विस्ट दिखाएगी। लंबे वक्त से भुलाया गया एक गहरा रहस्य भी उजागर होगा, जब दोनों भाई मिलकर माहिष्मती को बचाएंगे। हम बाहुबली के प्रशंसकों के लिये इस नये अध्याय की पेशकश करके बहुत खुश हैं। हम इस कहानी को एनिमेटेड फॉर्मेट में लेकर आ रहे हैं, जो बाहुबली की दुनिया का एक नया और रोमांचक नजारा देगा। अर्का मीडियावर्क्स और मैं शरद देवराजन, डिज्नी+ हॉटस्टार तथा ग्राफिक इंडिया के साथ मिलकर काम करके बहुत खुश हैं। हम बच्चों के अलावा भी ज्यादा से ज्यादा दर्शकों के लिये भारतीय एनिमेशन को नया आकार दे रहे हैं। बाहुबली' की सफल फ्रैंचाइजी में बाहुबली की भूमिका निभाने वाले प्रभास ने कहा, यह एक रोमांचक बात है कि बाहुबली के सफर के इस अनदेखे अध्याय में बाहुबली और भल्लालदेव एक-दूसरे का साथ देंगे। बाहुबली: क्राउन ऑफ ब्लड ऐसा अध्याय है, जो इस फिल्म फ्रैंचाइजी की कहानी से पहले का है। यह बाहु और भल्ला के जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। एस.एस. राजामौली, शरद देवराजन, डिज्नी+ हॉटस्टार, अर्का मीडियावर्क्स और ग्राफिक इंडिया का इस एनिमेटेड फॉर्मेट में दुनिया के लिये यह कहानी लेकर आना बेहतरीन है। मैं बाहुबली की यात्रा के इस नये अध्याय का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ।''

बाहुबली फ्रैंचाइजी में भल्लालदेव की भूमिका निभाने वाले राणा डागुबट्टी ने कहा, 'बाहुबली के फिल्म फ्रैंचाइज ने अपनी एक विरासत बनाई है। उस विरासत का एनिमेटेड स्टोरीटेलिंग फॉर्मेट में जारी रहना रोमांचक है। बाहुबली और भल्लालदेव के जीवन का यह नया अध्याय बाहुबली की दुनिया के कई रहस्य खोलेगा।

मैं रोमांचित हूँ कि एस.एस. राजामौली, शरद देवराजन, डिज्नी+ हॉटस्टार, अर्का मीडियावर्क्स और ग्राफिक इंडिया एनिमेटेड फॉर्मेट में बाहुबली की दुनिया का यह नया अध्याय लेकर आ रहे हैं। यह प्रशंसकों और नये दर्शकों को बाहुबली की दुनिया एक रोमांचक तरीके से दिखाएगा।

करीना कपूर ने छोड़ी 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स'

मुंबई/एजेन्सी

करीना कपूर खान केजीएफ स्टार यश की अगली फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में उनकी बहन की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार थीं, लेकिन अब ताजा चर्चा यह है कि क्रू अभिनेत्री फिल्म से बाहर हो गई है। वैसे इन दोनों सितारों को भाई-बहन के रूप में एक साथ एक फ्रेम में देखना सुखद होता लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, बेबो ने डेट के मुद्दों के कारण वयस्कों के लिए टॉक्सिक: ए फेयरीटेल छोड़ दी है। टॉक्सिक के निर्माता इसे एक अखिल भारतीय फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं, और वे बेबो के प्रतिस्थापन के रूप में एक नए चेहरे को कास्ट करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि कियारा आडवाणी को यश की नायिका के रूप में फाइनल किया गया है और इस असामान्य जोड़ी ने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के निर्माताओं ने फिल्म को लेकर लगातार चल रही अटकलों पर एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा है कि टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स की कास्टिंग के बारे में कई अप्रमाणित सिद्धांत और सूचनाएं चल रही हैं। हम वास्तव में टॉक्सिक को लेकर उत्साह की सराहना करते हैं, लेकिन इस बिंदु पर, हम सभी से अटकलों से दूर रहने का अनुरोध करेंगे। फिल्म के लिए कास्टिंग प्रक्रिया पूरी होने के करीब है, और हम अपनी टीम से रोमांचित हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | रविवार | 05-05-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा संचालित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हुआ।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के शांतिनिकेतन अंग्रेजी माध्यम स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ कैथरिन दिनेश को सिल्पाकोर्न यूनिवर्सिटी आडिटोरियम बैंकाक में शिक्षा, समाजसेवा, खेल व सांस्कृतिक क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता और उत्कृष्ट व्यक्तिगत उपलब्धि के लिए 44वें अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में 'इंडो थाईलैंड मैत्री पुरस्कार' प्रदान किया गया। सिल्पाकोर्न यूनिवर्सिटी के प्रमुख प्रो चिरापत प्रपुन्द्रिया सहित अनेक लोगों ने डॉ कैथरिन को सम्मानित किया । स्कूल के अध्यक्ष भवरलाल जैन आदि सदस्यों ने उनको शुभकामनाएं दी।

अलसूर जैन संघ में दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर सम्पन्न

कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ ने दिया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा संचालित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हुआ। नूतन भवन परिसर में आयोजित समारोह की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरड़िया ने की। संघ के उपाध्यक्ष राजेन्द्र चोरडिया एवं शिविर समिति के भरतकुमार सांखला समारोह के मुख्य अतिथि थे। किरण गादिया ने शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि शिविर में करीब 100 बच्चों ने जैन तत्व ज्ञान के साथ सामायिक सूत्र, प्रतिक्रमण, भक्तामर स्तोत्र कंठस्थ किये एवं संस्कृति का परिचय पाया।

अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभी बच्चों के अनुशासन की प्रशंसा करते हुए अहिंसा के महत्व को बताया और प्रतिक्रमण सीखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों ने ग्रीष्मावकाश का श्रेष्ठ सदुपयोग किया हैं। मुख्य अतिथि भरत कुमार सांखला ने कहा कि स्वाध्याय संघ पूरे शहर में शिविर का संचालन किया जिसमें 1000 से ज्यादा बच्चों ने ज्ञानार्जन किया।माता पिता का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को धार्मिक पाठशाला के लिए प्रोत्साहित करें। अलसूर शिविर में कंचनबाई गादिया, सुमित्राबाई सांखला, मंजुबाई लोढा, सूरजीबाई छाजेड, राजुबाई बोहरा, किरणबाई गादिया, राजेश्वरी तातेड़, मधु मकाना एवं दीपा कोठारी ने अध्यापन सेवा दी। समापन समारोह में अनेक बच्चों ने शिविर में अपने अनुभव को साझा किया। बच्चों ने अपनी चित्रकला का भी परिचय दिया। सभी बच्चों को स्वाध्याय संघ व अलसूर संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया। कंचनबाई गादिया ने सभा का संचालन किया। युवक संघ ने व्यवस्था में सहयोग दिया। समापन समारोह में अनेक सदस्य उपस्थित थे।

थरूर ने विरासत कर मुद्दे पर भाजपा की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने विरासत कर का मुद्दा उठाने के लिए भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस की घोषणापत्र समिति ने इस पर चर्चा तक नहीं की है, लेकिन आसन्न हार को देखते हुए सत्ताधारी पार्टी हर तरह का हथकंडा आजमा रही है। थरूर लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र का मसौदा तैयार करने वाली समिति के सदस्य थे। उन्होंने कहा कि 1985 में कांग्रेस के प्रधानमंत्री द्वारा विरासत कर को समाप्त किए जाने के बाद इस तरह के उपकर का विचार उछालने वाली एकमात्र पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। विरासत कर पर कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की टिप्पणी से उत्पन्न विवाद के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा, मैं सैम पित्रोदा को एक बहुत सम्मानित अग्रज के रूप में जानता हूं, लेकिन वह भारत में रहते भी नहीं हैं। वह एक पहाड़ की चोटी पर बैठे गुरु की तरह हैं, लेकिन उनकी पर्वत चोटी शिकागो है, हिमालय नहीं।

थरूर ने समाचार एजेंसी 'पीटीआई' के मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत के दौरान कहा, उन्हें (पित्रोदा) अपने व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने का पूरा हक है, लेकिन कांग्रेस पार्टी जिस चीज पर यह चुनाव लड़ रही है वह एक घोषणापत्र है, जो एक प्रकाशित दस्तावेज है। मैं घोषणापत्र समिति का सदस्य था, इसलिए मैं आपको बता सकता हूं कि हमने कभी भी विरासत कर पर चर्चा नहीं की। उन्होंने रेखांकित किया कि 1985 में कांग्रेस नेता एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने विरासत कर को समाप्त कर दिया था।

थरूर ने कहा, तथ्य यह है कि जब भाजपा ने संशयपूर्वक कहा कि उन्होंने (राजीव) अपनी विरासत को बचाने के लिए ऐसा किया, तो हम सटीक रूप से यह बताने में सक्षम थे कि कानून केवल 15 मार्च 1985 के बाद होने वाली मौतों से प्रभावी हुआ और इंदिरा जी की मृत्यु 1984 में हो गई थी। तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा, ऐसा इसलिए किया गया...क्योंकि मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में देखा है, अरबपति अपनी संपत्ति को इस तरह से प्रबंधित करने और ऐसा बताने में बहुत दक्ष हैं कि उनके पास अपने नाम पर बहुत कम संपत्ति है, और (तब) सरकार ने पाया कि संग्रह की लागत सरकार को आने वाले राजस्व से अधिक थी।

उन्होंने कहा कि 1985 में सरकार विरासत कर संग्रह के पूरे वर्ष में 20 करोड़ रुपये कमा रही थी और इस सब पर नजर रखने के लिए एक प्रतिष्ठान चलाने में कहीं अधिक खर्च कर रही थी। थरूर ने कहा, तो, इसे खत्म करना सही निर्णय था।

एकमात्र पार्टी जिसने विरासत कर का विचार उछालने वाली पार्टी भाजपा है। 2019 में इसके वित्त मंत्री, वित्त राज्य मंत्री और अन्य अग्रणी लोगों ने कहा कि 'क्या यह एक अच्छा विचार नहीं होगा'। उन्होंने कहा कि इसे उनकी ही पार्टी के भीतर ही खारिज कर दिया गया, लेकिन सच्चाई यह है कि केवल भाजपा ने ही इस मुद्दे को उठाया है। थरूर ने कहा कि कांग्रेस का इससे कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, तो, उनके लिए इसे पलटना और हमारे खिलाफ इसका इस्तेमाल करना उनकी हताशा का एक और उदाहरण है... उन्हें एहसास है कि उनपर हार का खतरा मंडरा रहा है और वे कोई भी हथकंडा आजमाने की कोशिश कर रहे हैं। थरूर ने भाजपा पर उन चीजों को ढूंढ निकालने का आरोप लगाया, जिन्हें कांग्रेस ने कभी अपने घोषणापत्र में शामिल ही नहीं किया।

संतों के बगैर जिनशासन का अस्तित्व ही नहीं हो सकता : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महालिंगपुरा। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी का पदार्पण हुआ। श्रावक-श्राविका ने आचार्यश्री का भावभरा स्वागत किया।आयोजित प्रवचन में मुनिश्री ॐपद्मसागरजी ने गुरु की महिमा गान किया।

अर्हम पद्मसागरजी ने कहा कि भागदौड भरी अशांत जिंदगी का कारण व्यक्ति खुद है। आचार्यश्री ने कहा कि स्वयं की इच्छाओं का विसर्जन गुरु की इच्छा में कर देना, यही स्वयं के अस्तित्व को भूल जाना है। जो गुरु आज्ञा में स्वयं की बुद्धि का मिश्रण कर लेते हैं वे आत्महित नहीं कर सकते। जिनशासन है तो सदगुरु है, मुनि भी है। मुनिश्री के बगैर जिनशासन का अस्तित्व ही नहीं हो सकता। उन्हीं द्वारा आज शासनोन्नति हो रही है। संघ के अधिकांश महानुभावों ने जिनवाणी के श्रवण का लाभ लिया।

क्षणभंगुरता के स्मरण से शाश्वत की खोज पैदा हो सकती है : आचार्यश्री प्रसन्नसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी मुनिश्री ने अपने चतुर्विध संघ के साथ बेंगलूरु सीमा में प्रवेश किया। आचार्यश्री बेलकेरे गेट स्थित बेंगलूरु इन्टरनेशनल एकादमी में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जन्म कर्ज ली हुई एक छोटी रकम है, जिसका भुगतान जीवन में कई, कई बार अनेकों किश्तों में करना होता है। आयु तो एक डोरी है जो कहीं से कच्ची और कहीं से पक्की है और कहीं, कहीं तो गाँठ जुड़ी हुई है, कहाँ से कब टूट जाये कोई भरोसा नहीं है। ये जीवन जो हम आप जी रहे हैं, यह तो एक गुब्बारे की तरह है, यदि साँस की अधिक हवा भरोगे तो फूट जायेगा और यदि इसकी हवा एक बार निकल गई तो दुबारा फूलेगा नहीं। अतः जीवन की क्षणभंगुरता का स्मरण रखें, क्योंकि क्षणभंगुरता का स्मरण बना रहे तो शाश्वत की खोज पैदा हो सकती है ।

आच्छा बने मंजूनाथनगर मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष, कोठारी बने मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मंजूनाथनगर मर्चेंट एसोसिएशन के साधारण चुनाव जैन भवन (उत्तम अंकित विल्ला) में संपन्न हुआ जिसमें गत वर्ष का हिसाब पेश किया गया। चुनाव में सर्वसहमति से अध्यक्ष पद के लिए संघवी उत्तमचन्द आच्छा, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, मंत्री रणीत कोठारी, सहमंत्री भागीरथ देवासी, कोषाध्यक्ष सुखदेव टांक का चयन किया गया। अध्यक्ष उत्तमचन्द आच्छा ने सबका आभार व्यक्त किया एवं एसोसिएशन के तत्वावधान में चल रहे सुकार्यों को और ज़्यादा आगे बढ़ाने की योजना रखी। उन्होंने कहा कि गत 29 महीनों से चल रहे अमावस्या प्रसादी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा तथा सभी को धन्यवाद दिया। उपस्थित सभी सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई और सभी ने अपने कार्यभार स्वीकार किए। यह जानकारी अंकित आच्छा ने दी ।

जीतो हुब्बल्ली की महिला सदस्याओं ने दो फैक्ट्रियों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। जीतो हुबली चैप्टर लेडीज विंग की सदस्याओं ने दो उत्पादन इकाइयों का दौरा किया। पहला पड़ाव था एलवीटी इंडस्ट्रीज पारले जी बिस्किट फैक्ट्री तथा दूसरा पड़ाव था जूपिटर प्लास्टिक। महिलाओं ने दोनों फैक्ट्रियों का दौरा किया तथा उत्पादन की जानकारी ली।

इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य विविध औद्योगिक वातावरण के प्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को प्रदर्शित करना था। यह फैक्टार यात्रा न केवल सीखने के अनुभव के रूप में बल्कि समुदाय के भीतर लैंगिक समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में चल रहे प्रयासों की पहल के रूप में भी काम आई।

सदस्यों में चेयरपर्सन गीता छेड़ा, वीसी मंजू ओसवाल, चेतना मोमाया, शीतल शाह, अंजू नाहटा, विद्या पटवारी, ललिता सुराना, प्रभा मुनियोट, कविता बाफना आदि सदस्याएं शामिल थीं।

इंदौर के चुनावी घटनाक्रम पर हैरान सुमित्रा महाजन बोलीं, जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। मध्य प्रदेश में इंदौर के कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय कांति बम के ऐन मौके पर पर्चा वापस लेने से इस प्रमुख विपक्षी दल के चुनावी दौड़ से बाहर होने के घटनाक्रम को लेकर लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने हैरानी जताई है। महाजन ने कांग्रेस उम्मीदवार की पर्चा वापसी को अनुचित करार देते हुए कहा है कि चुनावों की लोकतांत्रिक पद्धति में फैसले का अधिकार मतदाताओं को है। बम पेशे से कारोबारी हैं। उन्होंने इंदौर में कांग्रेस को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस ले लिया और भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके साथ ही भाजपा का मजबूत गढ़ कही जाने वाली इस सीट पर कांग्रेस की चुनावी चुनौती समाप्त हो गई, जहां वह पिछले 35 साल से जीत की बाट जोह रही है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, इंदौर में प्रमुख विपक्षी पार्टी (कांग्रेस) के उम्मीदवार (बम) के पर्चा वापस लेने के बारे में जानकर मैं आश्चर्यचकित रह गई कि यह क्या हो गया? ऐसा नहीं होना चाहिए था। इस घटनाक्रम की कोई आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि दीवार पर लिखा हुआ है कि इंदौर में भाजपा को कोई भी नहीं हरा सकता। उन्होंने कहा, कांग्रेस उम्मीदवार (बम) को ऐन चुनावों में ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसने एक तरह से अपनी पार्टी (कांग्रेस) से भी धोखा किया, लेकिन मैं ऐसे शब्दों का इस्तेमाल क्यों करूं? महाजन ने दावा किया कि बम के कांग्रेस को झटका देकर भाजपा में आने के घटनाक्रम के पीछे की कहानी के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

ताई (मराठी में बड़ी बहन का संबोधन) के नाम से मशहूर 81-वर्षीया भाजपा नेता ने कहा, मुझे नहीं पता कि वास्तव में क्या हुआ था। अगर यह सब हमारे लोगों ने किया है, तो गलत है। यह किए जाने की कोई आवश्यकता नहीं थी। अगर कांग्रेस उम्मीदवार ने अपनी मर्जी से ऐसा किया है, तो मैं उन्हें भी कहूंगी कि उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। महाजन ने कहा कि प्रमुख दलों के उम्मीदवारों को सोच-समझकर पर्चा भरना चाहिए और अगर उन्होंने नामांकन दाखिल किया है, तो उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, प्रजातंत्र का मतलब जनता के बीच जाकर जनता का निर्णय हासिल करना है कि वह क्या चाहती है। चुनाव इसलिए ही होते हैं।

महाजन ने कहा कि इंदौर लोकसभा सीट के इतिहास में अपनी तरह के पहले चुनावी पालाबदल के बाद शहर के कुछ पढ़े-लिखे लोगों ने उन्हें फोन करके नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, फोन पर इन लोगों ने मुझसे कहा कि अब वे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) का विकल्प चुनेंगे, क्योंकि भाजपा ने जो किया, वह उन्हें अच्छा नहीं लगा। महाजन ने आगे कहा, मैंने इन लोगों को समझाया कि इस प्रकरण में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी अपनी मूल विचारधारा पर अडिग होकर काम कर रही है तथा हमारे उम्मीदवार (शंकर लालवानी) मैदान में हैं, इसलिए उन्हें नोटा के बजाय भाजपा को वोट देना चाहिए।

इंदौर सीट पर पिछले 35 साल से भाजपा का कब्जा है और महाजन ने इस क्षेत्र से 1989 से 2014 के बीच लगातार आठ बार लोकसभा चुनाव जीते थे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी ने अपने नजदीकी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी पंकज संघवी को 5.48 लाख वोट से हराया था।

इमरान खान ने प्रधान न्यायाधीश ईसा पर पक्षपात करने का आरोप लगाया : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद, चार मई (भाषा) जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश के प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा पर उनकी पार्टी के प्रति पक्षपात करने का आरोप लगाते हुए न्यायपालिका से आग्रह किया है कि उनके मामलों की सुनवाई में तेजी लाई जाए। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर में कहा गया कि रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद 71 वर्षीय इमरान खान ने संवाददाताओं को दिये एक संदेश में न्यायमूर्ति ईसा को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार की 'बी टीम' बताया और कहा कि उनके कानूनी मामलों में देरी अन्यायपूर्ण है।

उन्होंने कहा, मेरे मामलों की सुनवाई कर रहे सभी न्यायाधीशों से मैं आग्रह करता हूं कि वे सुनवाई में तेजी लाएं और अनुचित देरी न करें। उन्होंने कहा कि फैसलों में देरी करना अन्यायपूर्ण है। खान ने प्रधान न्यायाधीश ईसा के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा है कि उन पर फैसले लेने का कोई दबाव नहीं है। खान ने कहा कि देश के प्रधान न्यायाधीश मौजूदा सरकार की दूसरी टीम के रूप में काम कर रहे हैं।

स्वागत

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मंत्री निर्मला सीतारमण का शनिवार को पुणे अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचने पर भाजपा महाराष्ट्र महिला कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया।

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नागरभावी स्थित डॉ अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नॉलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'आकार 2024' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। उन्होंने प्रतिभागियों का प्रोत्साहन बढ़ाया। इस मौके पर कॉलेज के विभाग प्रमुख डॉ विजया, प्रोफेसर शरत, प्रोफेसर सुप्रिता एवं अन्य ने मुणोत का सम्मान किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com